



दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर



चुनाव आयोग के काम में सरकार को कोई दखल नहीं: रविशंकर प्रसाद

5

2027 वनडे वर्ल्ड कप को लेकर विराट कोहली का बड़ा खुलासा

6

आतंकियों को करारा जवाब देंगे : पीएम

सर्जिकल स्ट्राइक ने दुनिया को भारत की नीति दिखाई, मन की बात में ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने रविवार को मन की बात के 138वें एपिसोड में कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है। आतंकवादी अगर भारत की तरफ आंख उठाकर देखेंगे, तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा।

मोदी ने कहा कि 28-29 सितंबर 2016 को हुई सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल पूरे होने वाले हैं। भारतीय सेना ने एलओसी पार कर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। भारतीय जवानों की इस कार्रवाई को देखकर दुनिया हैरान रह गई थी।

प्रधानमंत्री ने बालाकोट एयरस्ट्राइक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने बार-बार साफ संदेश दिया है कि आतंकवाद का मजबूत और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि जनगणना

हम सबका राष्ट्रीय दायित्व है। उन्होंने लोगों से अपनी और परिवार की जानकारी खुद ऑनलाइन दर्ज करने की अपील की। मोबाइल से यह प्रक्रिया आसानी से पूरी की जा सकती है। मोदी ने बताया कि जनगणना का पहला चरण सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग पूरा हो चुका है। 32 करोड़ से ज्यादा परिवारों का डेटा भी दर्ज किया जा चुका है।

पीएम मोदी ने 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने जीवन के कई मंत्र दिए, जिनमें स्वच्छता भी शामिल है। उन्होंने सोशल मीडिया पर स्वच्छता से जुड़े फोटो, वीडियो और रील्स का भी जिक्र किया और कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से पूरा समाज जुड़ रहा है। मोदी ने बताया कि देशभर के युवा नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रहे हैं। 'मेरा भारत' के तहत एंथम, स्लोगन राइटिंग और



नुकड़ नाटक जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। युवा सोशल मीडिया के जरिए भी नशा मुक्त रहने का संदेश लोगों तक पहुंचा रहे हैं। 'नशा मुक्त युवा अभियान' के तहत 100 शहरों में स्वास्थ्य जांच और ध्यान शिविर जैसी गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। मोदी ने कहा कि इस अभियान में युवा खुद नशे से दूर रहने के साथ दूसरों को

भी जागरूक करने की जिम्मेदारी उठा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भगवान गणेश की भक्ति सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। थाईलैंड में गणेश जी की पूजा 'फा फिकानेट' के रूप में की जाती है। उन्होंने बताया कि गणेश से जुड़ी परंपराओं पर शोध करने वाले श्रद्धालुओं के प्रयासों से वहां अष्टविनायक यात्रा भी लोकप्रिय हुई है।

मोदी ने असम में पिम्पी हाँग के संरक्षण कार्यक्रम का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कभी इस छोटे जीव के अस्तित्व पर खतरा था। संरक्षण कार्यक्रम के बाद अब इसकी संख्या 190 से ज्यादा हो गई है। असम के सोनाई रूपाई वन्यजीव अभयारण्य का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि यहां कभी हाथी रहते थे, लेकिन जंगल की जमीन पर इंसानी दखल बढ़ने से वे दूर चले गए थे। करीब तीन साल पहले अतिक्रमण हटाए जाने के बाद हाथी फिर इस

इलाके में लौट आए हैं और अब उनके झुंड दिखाई दे रहे हैं।

पीएम मोदी ने 28-29 सितंबर 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उरी में सेना के कैंप पर आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने रफ्तार पार कर आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। मोदी ने इसे आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक कार्रवाई और नई नीति का उदाहरण बताया।

मोदी ने कहा कि इस साल अमेरिका में हुए 9/11 आतंकी हमले को 25 साल पूरे हो रहे हैं। उन्होंने हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और 2014 में न्यूयॉर्क जाकर पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने की बात भी बताई। इसके अलावा उन्होंने विश्व हिंदू परिषद के नेता अशोक सिंघल की 100वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और राम जन्मभूमि आंदोलन में उनके योगदान का जिक्र किया।

अवंतिका का वैभव ही सदियों से रहा है इसका गौरव : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने उज्जैन को दी 173 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार प्रदेश के समान विकास के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उज्जैन (अवंतिका) एक प्राचीन नगर है। यहां का व्यापार व्यवसाय और इसका वैभव ही सदियों से इस नगर का गौरव और पहचान रही है। उज्जैनवासियों ने हर काल में शहर के विकास में सहयोग दिया है और आज भी यहां के लोग विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए

स्वैच्छक योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को महाकाल महालोक, उज्जैन में विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यहां 173 करोड़ रुपये लागत के 15 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन को जल्द ही मेट्रो ट्रेन की सौगात भी मिलेगी। भोपाल के मास्टर प्लान का ड्राफ्ट प्रकाशित

कर दिया गया है। ग्वालियर नई मेट्रोपॉलियन सिटी के रूप में विकसित होगा साथ ही इसे टेलीकॉम सिटी के रूप में भी विकसित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर-भोपाल-जबलपुर तक औद्योगिक गलियारा बनने जा रहा है। इससे पूरे प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। हमारी सरकार सेवा भाव से समान रूप से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सुगम परिवहन सेवा से प्रदेश में नई परिवहन सेवाएं प्रारंभ की गई हैं। इसके अन्तर्गत यात्री बसें एक नगर से दूसरे नगर तक ही नहीं, बल्कि एक राज्य से दूसरे राज्य तक जाएंगी। उज्जैन में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए उज्जैन दर्शन हेतु 10 नई पीएम ई-बस सेवाओं का शुभारंभ किया गया है।

विपक्ष देश को गुमराह कर रहा, मुख्य चुनाव आयुक्त पर आरोप बेबुनियाद : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। एसआईआर और वोटर लिस्ट में कथित गड़बड़ियों को लेकर देश की राजनीति में घमासान मचा हुआ है। विपक्ष भाजपा और मुख्य चुनाव आयुक्त को घरने में लगा है। इस बीच दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विपक्ष पर हमला बोला है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, %विपक्ष देश में ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न करने की कोशिश कर रहा है जिसका कोई आधार नहीं है, जिसके पीछे लक्ष्य केवल जनता को गुमराह करना है और ऐसी परिस्थितियां पैदा करना है ताकि लोगों का ध्यान विकास कार्यों से



हटकर, विपक्ष की नाकामियों से हटकर उनके द्वारा खड़ी की गई परिस्थितियों पर चला जाए। मुख्य चुनाव आयुक्त पर बेबुनियाद आरोप लगाते हैं...चुनाव आयोग के काम पर प्रश्न चिह्न लगाते हैं। चुनाव आयोग में सर्वसम्मति से सभी निर्णयों को लिया जा रहा है।

राजधानी लखनऊ में रविवार को प्रेस वार्ता में सीएम योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष को निशाने पर लिया। एसआईआर को लेकर कांग्रेस, सपा और आरजेडी की बयानबाजी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों के लिए भारत की संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंचाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने वाली हर साजिश का हिस्सा बनते रहे हैं। सीएम ने कहा कि विपक्ष का रवैया हमेशा से ऐसा रहा है। इससे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को नुकसान पहुंच सकता है।

जमीनी स्थिति ही सैन्य अभियान की सफलता का पैमाना: सेना प्रमुख

नई दिल्ली। नई दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश को रक्षा उत्पादन में इतना सक्षम होना चाहिए कि जरूरी क्षमताओं के लिए दूसरे देशों पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने आत्मनिर्भरता का मतलब बताते हुए कहा कि भारत में डिजाइन, विकास, निर्माण, रखरखाव और अपग्रेड की पूरी क्षमता विकसित होनी चाहिए। साथ ही देश को दुनिया के लिए रक्षा उपकरण बनाने की दिशा में भी आगे बढ़ना चाहिए।

माफी मांगें, हार पर आत्ममंथन करें सीएम हिमंत सरमा का राहुल गांधी पर प्रहार

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने चुनाव आयोग को लेकर चल रहे विवाद के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी से माफी मांगने को कहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के बयानों से लोगों के मन में भ्रम पैदा हुआ। सरमा ने कहा कि कांग्रेस को बार-बार चुनाव में हार मिलने के कारणों पर आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हार के बाद चुनाव आयोग और ईवीएम पर सवाल उठाने के बजाय पार्टी को यह देखना चाहिए कि जनता उसे क्यों नकार रही है। सीएम हिमंत सरमा ने कहा कि



2014 में कांग्रेस उस समय भी चुनाव हारी थी, जब चुनाव आयोग मनमोहन सिंह की नियुक्ति वाला था।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत सरमा ने कहा कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी

एसआईआर से जुड़े फैसले पूरे आयोग की सर्वसम्मति से लिए गए थे। फैसले आयोग के सभी सदस्यों की सहमति से हुए थे, तो फिर राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर अकेले फैसले लेने के आरोप क्यों लगाए? उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

बताते चलें कि यह विवाद एक मीडिया रिपोर्ट के सामने आने के बाद शुरू हुआ है। दरअसल, रिपोर्ट में दावा किया गया था कि चुनाव आयुक्त सुखवीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने एसआईआर से जुड़े फैसलों और प्रक्रियाओं पर कई बार आपत्ति दर्ज की थी।

चुनाव आयोग के खिलाफ दो अक्तूबर को बड़ा प्रदर्शन, सोनम वांगचुक ने भी किया समर्थन

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने दो अक्तूबर को होने वाले कांफेंस जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन का समर्थन किया है। यह प्रदर्शन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्तावित है। सीजेपी चुनाव आयोग से जवाबदेही की मांग कर रही है। वांगचुक ने कहा कि देश में जवाबदेही बढ़ाने और चुनाव प्रक्रिया को बेहतर करने वाली किसी भी कोशिश का समर्थन होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वह प्रदर्शन में खुद मौजूद रहें, यह जरूरी नहीं है।

दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने युवक को थप्पड़ मारा

आप बोली-झगड़ार पर सवाल किया था; प्रवेश का दावा- मेरे परिवार को गाली दी थी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने रविवार को झू पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा एक लड़के को थप्पड़ मारते नजर आ रहे हैं। आप का आरोप है कि तिलक नगर में सड़क बनाने में हुए झगड़ार को लेकर कुछ लोग उनसे सवाल कर रहे थे। इस बीच उन्होंने वहां खड़े एक युवक को थप्पड़ मार दिया। हालांकि इसके बाद उनके गाड़ी और मौजूद साधियों ने युवक को दूर हटाया। पीड़ित युवक का आरोप है कि पुलिस के सामने उसे पीटा

गया। जान से मारने की धमकी दी गई। उसने पुलिस को शिकायत दी है। मंत्री को लिखित में माफी मांगनी होगी। भाजपा को भी उन्हें सरपेंड कर देना चाहिए। विवाद के बाद प्रवेश वर्मा ने वीडियो जारी करके कहा कि जरनैल रात में बनी सड़क सुबह उखाड़ रहे हैं। उन्होंने कमीशन मांगा था, नहीं मिलने पर विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा- जरनैल के साधियों ने मेरे परिवार को गाली दी, इन हालात में कोई भी आम आदमी जो करता, वही मैंने किया।

स्वामित्व योजना पर सरकार सख्त

रजिस्ट्री से इनकार करने वाले पटवारियों पर होगी कार्यवाही, कलेक्टरों को निर्देश

भोपाल। स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री का काम करने से पटवारियों के इनकार के बीच सरकार ने अब सख्त रुख अपनाया है। मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि वे पटवारियों से सरकार के आदेश के अनुसार रजिस्ट्री का काम कराएं। आदेश का पालन नहीं करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को भी कहा गया है। मुख्य सचिव ने कलेक्टरों को भेजे निर्देश में कहा है कि स्वामित्व योजना के तहत गुरुवार से शनिवार तक रजिस्ट्री का काम कराया जाए।

अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि तय अवधि में रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी हो। सरकार ने स्पष्ट किया है कि बुधवार तक संबंधित अधिकारियों द्वारा काम शुरू नहीं करने की स्थिति में कार्रवाई की जा सकती है। इससे लंबे समय से रजिस्ट्री के काम को लेकर चल रहे गतिरोध के बीच प्रशासन के सख्त रुख के संकेत मिले हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी ने 17 सितंबर को

इंदौर में स्वामित्व योजना की शुरुआत की थी। हालांकि, इसके बाद भी पटवारियों ने रजिस्ट्री का काम शुरू नहीं किया। सरकार के प्रतिनिधियों और राजस्व अधिकारियों के बीच इस मुद्दे पर कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं। इसके बावजूद पटवारी रजिस्ट्री का काम करने के फैसले पर सहमत नहीं हुए। अब सरकार ने कलेक्टरों को कार्रवाई के निर्देश देकर मामले में सख्ती बढ़ा दी है।

प्रमुख सचिव राजस्व की ओर से जारी निर्देश में स्वामित्व योजना के काम की जिम्मेदारियां भी स्पष्ट की गई हैं। योजना के लिए राजस्व विभाग को नोडल एजेंसी बनाया गया है। विभाग योजना के समन्वय, क्रियान्वयन और निगरानी का काम करेगा। रजिस्ट्री प्रक्रिया में समन्वय की जिम्मेदारी वाणिज्यिक कर विभाग की दी गई है। वहीं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तकनीकी सहायता उपलब्ध कराएगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग स्थानीय स्तर पर अधिकारियों को काम में सहयोग करेगा।

एलएनजी से दौड़ी देश की पहली डुअल-फ्यूल ट्रेन

अमित शाह ने दिखाई हरी झंडी, कहा- सुविधाओं-सुरक्षा में बड़ा बदलाव

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद के साबरमती रेलवे स्टेशन से देश की पहली एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) से चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने साबरमती डिवीजन में भारतीय रेलवे की कई परियोजनाओं का भी उद्घाटन और शिलान्यास किया।

इस कार्यक्रम में अमित शाह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि साबरमती डिवीजन में शुरू की गई विभिन्न रेलवे परियोजनाएं पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं को दूर करने, यात्रियों की



सुविधा बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में मदद करेंगी। अमित शाह ने कहा कि दिल्ली से यात्रा करते समय वह कई बार साबरमती रेलवे स्टेशन पर उतर चुके हैं। लंबे समय बाद साबरमती स्टेशन में हुए बदलाव का जिक्र करते हुए उन्होंने रेलवे के अधिकारियों और पूरी टीम को बधाई दी। अमित शाह ने कहा,



साबरमती रेलवे डिवीजन से लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तक पूरी टीम को मेरी हार्दिक बधाई। इतने लंबे समय बाद साबरमती स्टेशन को इस रूप में देखना बेहद खास है।

उन्होंने कहा कि यात्री सुविधाओं, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में बड़ा बदलाव हुआ है। उनके मुताबिक,

स्टेशन और रेलवे से जुड़ी सुविधाओं में व्यापक परिवर्तन किया गया है। अमित शाह ने कहा, यात्री सुविधा, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के मामले में व्यापक बदलाव किया गया है।

उन्होंने बताया कि रविवार को जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया और जिनकी आधारशिला रखी गई, उनमें कुल 1,472 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। अमित शाह ने कहा कि इन परियोजनाओं से इस क्षेत्र के यात्रियों को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने रेलवे की ओर से शुरू की जा रही सुविधाओं को यात्री सुविधा, सुरक्षा और

पर्यावरण से जुड़ी जरूरतों के लिहाज से महत्वपूर्ण बताया।

साबरमती रेलवे स्टेशन और आसपास का रेल बांचा गुजरात में चल रही बड़ी रेलवे परियोजनाओं का भी हिस्सा है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के तहत साबरमती को मल्टीमॉडल हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां बुलेट ट्रेन, मेट्रो, बीआरटीएस और रेलवे नेटवर्क को जोड़ा जाना है।

रेलवे के मुताबिक, एलएनजी-डीजल दोहरे ईंधन वाली प्रणाली अपनाने से डीजल की खपत में करीब 40 प्रतिशत तक कमी आने की उम्मीद है।

सैकड़ों घरों में महुआ की अवैध शराब बनने का दावा

निवास क्षेत्र में पुलिस की निष्क्रियता पर उठे सवाल

महुआ गांव में खुलेआम बित्री के आरोप, कार्यवाही के दावों के बीच ग्रामीण अंचलों में नहीं थम रहा नशे का कारोबार

सिंगरौली। जिले के सरई थाना क्षेत्र अंतर्गत निगरी पुलिस चौकी और निवास क्षेत्र में महुआ से बनने वाली कथित अवैध शराब के कारोबार को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक ग्राम पंचायत बंजारी में करीब 200 घरों में महुआ से अवैध शराब बनाए जाने की जानकारी सामने आ रही है। वहीं महुआ गांव में शराब के साथ गांजा की खुलेआम बित्री होने के भी आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यदि दावे सही हैं तो यह पुलिस और आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था पर बड़ा सवाल है। बताया जा रहा है



सवाल उठना स्वाभाविक है। सबसे गंभीर चिंता युवा पीढ़ी को लेकर है। ग्रामीण क्षेत्रों में यदि शराब और अन्य नशीले पदार्थ आसानी से उपलब्ध होते हैं तो इसका सीधा असर युवाओं और परिवारों पर पड़ सकता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कार्रवाई के नाम पर समय-समय पर अभियान जरूर चलाए जाते हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद कथित अवैध कारोबार फिर सक्रिय हो जाता है। इससे कार्रवाई की निरंतरता और प्रभावशीलता पर सवाल खड़े होते हैं। ग्रामीणों के बीच यह भी चर्चा है कि यदि बड़ी संख्या में घरों में अवैध शराब तैयार होने की सूचना लगातार सामने आ रही है, तो फिर संबंधित विभागों को इसकी भनक क्यों नहीं लग रही? क्या क्षेत्र में नियमित निगरानी और सूचना तंत्र प्रभावी नहीं है?

जगमोरवा रेलवे पटरी पर मिला बुजुर्ग का शव, पहचान के लिए पुलिस ने जारी की सूचना

सिंगरौली। मोरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत जगमोरवा रेलवे पटरी पर रविवार सुबह एक अज्ञात बुजुर्ग व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मोरवा पुलिस एवं डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बुजुर्ग की मौत शनिवार-रविवार की दरमियानी रात अथवा रविवार सुबह होने की आशंका जताई जा रही है। पर परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। जानकारी अनुसार मृतक के शरीर पर गुलाबी रंग की धारीदार टी-शर्ट और चेकदार लुंगी था। उसके साथ चिकित्सा संबंधी उपकरण भी लगे हुए पाए गए हैं, जिससे प्रथम दृष्टया उसके किसी बीमारी से उपचाराधीन होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा रहा है। हालांकि, मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम एवं पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। आत्महत्या की आशंका सहित अन्य सभी पहलुओं पर पुलिस जांच कर रही है।

अटल आवास के निर्माण कार्य का एसडीए अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल ने किया निरीक्षण

कार्य की धीमी प्रगति पर अधिकारियों एवं ठेकेदार को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

सिंगरौली। सिंगरौली विकास प्राधिकरण (एसडीए) के अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल ने अटल आवास योजना के अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार से कार्य की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान एसडीए अध्यक्ष ने निर्माणाधीन आवासों सहित मौके पर चल रहे विभिन्न कार्यों को देखा तथा कार्य की प्रगति के संबंध में संबंधित ठेकेदार एवं मुख्य कार्यपालन यंत्री से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्माण कार्य में अपेक्षित गति लाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण तरीके से आगे बढ़ाया जाए। वीरेंद्र गोयल ने अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने तथा मौके पर आने वाली तकनीकी



एवं अन्य समस्याओं का समय पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अटल आवास योजना के तहत किए जा रहे निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और कार्य को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। उन्होंने संबंधित ठेकेदार को कार्य में आवश्यक संसाधन एवं श्रमिक बढ़ाकर प्रगति सुनिश्चित करने तथा निर्माण की गति में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्य कार्यपालन यंत्री को कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर

प्रगति की समीक्षा करने के लिए कहा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा एसडीए अध्यक्ष को अटल आवास के निर्माण कार्यों की प्रगति से संबंधित जानकारी दी गई। अध्यक्ष ने मौके पर कार्य की स्थिति का अवलोकन करते हुए आवश्यक सुधार एवं प्रगति के संबंध में निर्देश दिए। इस अवसर पर कार्यपालन अधिकारी सुरेश जादव एवं सम्पदा अधिकारी अभिषेक यादव सहित संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

पारिजात चौराहे पर अचानक गिरा विशाल पेड़, टला बड़ा हादसा

फल-फूल की दुकान लगने वाले स्थान पर गिरा पेड़, हादसे के वक्त आसपास कोई नहीं होने से बची जान-माल की क्षति

सिंगरौली। नगर पालिक निगम सिंगरौली के मोरवा जोन अंतर्गत वार्ड क्रमांक-3 में रविवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पारिजात चौराहे के पास एक विशाल पेड़ अचानक भरभराकर सड़क किनारे गिर गया। पेड़ गिरने की तेज आवाज से आसपास मौजूद लोगों में कुछ देर



अचानक गिरा और देखते ही देखते चौराहे के समीप रास्ते पर आ गया। इससे कुछ समय के लिए आवागमन भी प्रभावित हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शहर में सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर खड़े पुराने व जर्जर पेड़ों की समय-समय पर जांच की जानी चाहिए, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके। खासकर ऐसे स्थानों पर जहां नियमित रूप से लोगों की आवाजाही रहती है और दुकानें लगती हैं, वहां पेड़ों की स्थिति की निगरानी जरूरी है।

पचखोरा सब-स्टेशन में बढ़ाई जा रही ट्रांसफार्मर की क्षमता, 5 से 8 मेगावाट होगा पावर ट्रांसफार्मर

बढ़ते विद्युत लोड को देखते हुए विभाग ने शुरू किया क्षमता वृद्धि का काम, रविवार को कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति रही प्रभावित

सिंगरौली। जिला मुख्यालय बैटून के पचखोरा सब-स्टेशन में बढ़ते विद्युत लोड को देखते हुए विद्युत विभाग ने पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि का कार्य शुरू कर दिया है। रविवार, 27 सितंबर की सुबह से ही विभाग के अधिकारी और कर्मचारी सब-स्टेशन में पहुंचकर पुराने ट्रांसफार्मर को हटाने और अधिक क्षमता वाले ट्रांसफार्मर को स्थापित करने की प्रक्रिया में जुटे रहे। वर्तमान में यहां 5 मेगावाट क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित है, जिसकी क्षमता अब बढ़ाकर 8 मेगावाट की जा रही है।

विद्युत विभाग के अनुसार



पचखोरा सब-स्टेशन से जुड़े क्षेत्रों में विद्युत कनेक्शनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बताया गया कि हर माह करीब 200 नए विद्युत कनेक्शन बढ़ रहे हैं। इसके चलते क्षेत्र में बिजली की मांग और विद्युत लोड में भी लगातार वृद्धि हो रही है। मौजूदा 5 मेगावाट क्षमता के ट्रांसफार्मर पर बढ़ता भार विद्युत आपूर्ति व्यवस्था के लिए चुनौती

बन रहा था। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग ने 8 मेगावाट क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर लगाने का निर्णय लिया है। पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ने के बाद पचखोरा सब-स्टेशन की विद्युत आपूर्ति क्षमता में वृद्धि होगी। इससे वर्तमान के साथ-साथ भविष्य में बढ़ने वाले विद्युत लोड को संभालने में विभाग को मदद मिलेगी। क्षमता वृद्धि के बाद क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को अधिक मजबूत और सुचारु बनाए रखने में भी सहाय्य होगी।

ट्रांसफार्मर बदलने का कार्य तकनीकी दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ ही जोखिमपूर्ण भी है। सुरक्षा

वाहन चेकिंग में 20 वाहन जब्त, बिना परमिट और फिटनेस चल रहे वाहनों पर कार्यवाही

मोटर यान अधिनियम और मोटरयान कराधान अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत की गई कार्रवाई, बकाया टैक्स वाले वाहनों पर भी कसा शिकंजा

सिंगरौली। जिले में यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखने और नियमों का उल्लंघन कर सड़कों पर संचालित हो रहे वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान



के दौरान बिना परमिट, फिटनेस समाप्त होने तथा मोटरयान कर बकाया होने सहित अन्य अनियमितताएं पाए जाने पर वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान अधिकारियों ने वाहनों के परमिट, फिटनेस, टैक्स सहित आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। जांच में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 20 वाहनों को जब्त किया गया।

संबंधित वाहनों के चालकों एवं वाहन मालिकों के विरुद्ध मोटर यान अधिनियम, 1988 तथा मोटरयान कराधान अधिनियम, 1991 की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए चालानी कार्रवाई भी की गई। वाहन जांच के दौरान अधिकारियों ने विशेष रूप से यह देखा कि संबंधित वाहन वैध परमिट और फिटनेस के साथ संचालित हो

सेवा संकल्प अभियान: आंगन मिलन में गुंजा मातृ वंदन का संदेश

सिंगरौली। सेवा संकल्प अभियान के तहत शुक्रवार को वार्ड क्रमांक-1 स्थित कुशवई आंगनबाड़ी केंद्र में आंगन मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सिंगरौली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार गोयल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के साथ समय बिताया और नौनिहालों को फल वितरित कर भोजन कराया। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म कराई गई। वहीं छह माह के शिशु का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया।

मोरवा में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस जांच में जुटी

सिंगरौली। मोरवा थाना क्षेत्र के भूसा मोड़ निवासी लता तिवारी की बड़ी बेटी निधि तिवारी ने शनिवार शाम अपने आवास में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिजनों में मातम का माहौल है। सूचना मिलने पर मोरवा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार शाम करीब 7:30 बजे निधि ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। परिजनों के करीबी विनय सिंह के अनुसार घटना के समय निधि कथित तौर पर दिल्ली निवासी एक युवक से फोन पर बातचीत कर रही थी। इसी दौरान वह किसी बात से नाराज होकर फांसी लगाने लगी। युवक ने तत्काल उसके परिजनों को फोन कर घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही निधि की मां और बहन उसके कमरे की ओर दौड़ीं और दरवाजा खोलकर उसे नीचे उतारा। इसके बाद परिजन



तत्काल उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि निधि तिवारी सोशल मीडिया पर सक्रिय थीं और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के रूप में भी पहचान रखती थीं। वह स्थानीय कार्यक्रमों में भी शिरकत करती थीं। इसके अलावा उन्होंने ब्यूटी कॉन्टेस्ट में कई खिताब भी जीते थे। मोरवा थाना प्रभारी डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा।

विहिप जिला सिंगरौली की बैठक संपन्न, नए दायित्वों की हुई घोषणा

संगठनात्मक विस्तार, सामाजिक समरसता और सेवा गतिविधियों को गति देने पर हुआ मंथन

सिंगरौली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) जिला सिंगरौली की महत्वपूर्ण जिला बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन की आगामी कार्ययोजना, संगठनात्मक विस्तार, सामाजिक समरसता, सेवा गतिविधियों एवं जनसंपर्क अभियान को प्रभावी बनाने को लेकर पदाधिकारियों ने विस्तार से विचार-विमर्श किया। इस दौरान संगठन के विभिन्न दायित्वों में बदलाव करते हुए नवीन पदाधिकारियों की घोषणा भी की गई।

बैठक में विहिप जिलाध्यक्ष डॉ. डी.के. मिश्रा, प्रांत सह मंत्री डॉ. राजबहादुर जायसवाल, विभाग मंत्री पुजारी लाल मिश्र, जिला

उपाध्यक्ष संजय प्रताप सिंह, जिला मंत्री राजू दुबे, जिला सह मंत्री बृजेश जायसवाल तथा बजरंग दल जिला संयोजक राजबली शाह सहित संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि संगठन की जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय करते हुए सामाजिक समरसता, सेवा कार्यों तथा जनसंपर्क गतिविधियों को व्यापक रूप देने की आवश्यकता है। इसके साथ ही संगठनात्मक गतिविधियों के सुचारु संचालन और कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपने को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक के दौरान संगठन द्वारा विभिन्न पदों पर नवीन दायित्वों की

नशे के खिलाफ महिलाओं ने भरी हुंकार, जनपद सदस्य रणधीर सिंह के साथ लिया अभियान को गति देने का संकल्प

महिलाओं ने कहा- नशे से परिवारों पर पड़ रहा आर्थिक और सामाजिक असर, बच्चों के भविष्य पर भी मंडरा रहा खतरा

सिंगरौली। नशे के बढ़ते प्रचलन के खिलाफ माड़ा जनपद पंचायत क्षेत्र में अब महिलाओं ने भी मोर्चा संभाल लिया है। माड़ा सामुदायिक भवन में महिला स्व-सहायता समूहों की कार्यकर्ताओं और क्षेत्र की महिलाओं ने नशे के दुष्प्रभावों को लेकर चिंता जताई। जनपद सदस्य रणधीर सिंह की मौजूदगी में महिलाओं ने नशा मुक्ति अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और इसमें सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

महिलाओं ने कहा कि नशे की लत केवल नशा करने वाले व्यक्ति तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसका सीधा असर पूरे परिवार पर पड़ता है। नशे की आदत के कारण कई परिवार



आर्थिक तंगी और सामाजिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। परिवार की कमाई का बड़ा हिस्सा नशे में खर्च होने से बच्चों की शिक्षा और जरूरी जरूरतें प्रभावित हो रही हैं। महिलाओं ने बच्चों के भविष्य को लेकर भी चिंता जताई। उनका कहना था कि जब बच्चे घर के बड़े सदस्यों को नशा करते देखते हैं तो उनमें भी नशे के प्रति आकर्षण बढ़ने की आशंका रहती है। महिलाओं ने यह भी बताया कि कुछ परिवारों में नशे की जरूरत पूरी करने के लिए बच्चों द्वारा घर में चोरी करने जैसी घटनाएं सामने आने की बात कही जा रही है। इससे परिवार के साथ-साथ समाज के सामने भी गंभीर चुनौती खड़ी हो रही है। इस दौरान महिलाओं ने कहा कि नशे

की समस्या के खिलाफ अब केवल जागरूकता कार्यक्रम पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने आगामी नशा मुक्ति अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने की बात कही। जनपद सदस्य रणधीर सिंह ने भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा युवाओं, महिलाओं और सामाजिक संगठनों को अभियान से जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही नशामुक्त समाज की दिशा में प्रभावी कदम बढ़ाया जा सकता है।



ईसी 500 मिलीलीटर प्रति एकड़, कोटेप हाइड्रोक्लोराइड 50 प्रतिशत एसपी 400 ग्राम प्रति एकड़, क्लोरांट्रिनिलप्रोल 18.5 प्रतिशत एससी 60 मिलीलीटर प्रति एकड़ अथवा फिप्रोनिल 5 प्रतिशत एससी 400 से 500 मिलीलीटर प्रति एकड़ की अनुशंसित मात्रा बताई गई है।

कृषि विभाग ने कीटनाशक का छिड़काव 150 से 200 लीटर पानी प्रति एकड़ में मिलाकर शाम के समय करने की सलाह दी है। किसानों से कहा गया है कि कोट प्रकोप की स्थिति में अपने निकटतम कृषि कार्यालय अथवा कृषि विज्ञान केंद्र से फसल की स्थिति के अनुसार तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त करें। विभाग ने किसानों से नियमित रूप से खेतों का निरीक्षण करने और प्राथमिक लक्षण दिखाई देने पर तत्काल आवश्यक नियंत्रण उपाय अपनाने की अपील की है।

संपादकीय

निजी जिंदगी में दखल, समाज किस दिशा में जा रहा है?

एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में अगर दो लोग दूसरों के जीवन को बाधित किए बिना अपनी जिंदगी खुद तय करते हैं, तो इससे किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। अदालतों ने समय-समय पर यह व्यवस्था दी है कि कोई भी वयस्क किसी से दोस्ती करने का अधिकार रखता है। एक सभ्य समाज अपने बीच उदारता और करुणा से लैस जीवन-मूल्यों की कद्र करता है और अपनी सोच-समझ के बरक्स अन्य लोगों या समुदायों की जीवन-पद्धतियों, जीने के तरीकों का भी सम्मान करता है। मगर इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि आज इक्कीसवीं सदी का सफर तय करते हमारे देश में आए दिन ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें किसी के निजी विचार या उसकी पसंद को न केवल नियंत्रित करने की कोशिश की जाती है, बल्कि ऐसा करने के लिए हिंसा या अपराध का भी सहारा लिया जाता है।हाल ही में बिहार के जमुई के अलावा बांका और समस्तीपुर में लगातार ऐसी घटनाओं के वीडियो प्रचारित हुए, जिनमें कुछ आपराधिक मानसिकता वाले लोगों ने रास्ते में लड़कियों के खिलाफ यौन हिंसा की या उनके दोस्त को भी मारा-पीटा। ऐसे मामले सामने आने के बाद पुलिस ने कानून के मुताबिक कदम उठाए, लेकिन इस दौरान एक बार फिर यह सवाल उठा कि महज नैतिकता के नाम पर लड़कियों या उनके दोस्त को प्रताड़ित करने का अधिकार किसी को किसने दे दिया कि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में अगर दो लोग दूसरों के जीवन को बाधित किए बिना अपनी जिंदगी खुद तय करते हैं, तो इससे किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। खासतौर पर दो युवा जब दोस्ती करते हैं, मिलते-जुलते हैं या फिर आगे चलकर प्रेम और विवाह करते हैं, तो यह उनका अपना चुनाव है और इसमें किसी भी अन्य को दखल देने का अधिकार नहीं है।इस संबंध में अदालतों ने भी समय-समय पर यह व्यवस्था दी है कि कोई भी वयस्क किसी से दोस्ती करने का अधिकार रखता है। मगर कुछ असामाजिक तत्व न तो अपने विचारों में सभ्यता और परिपक्वता लाने के लिए तैयार होते हैं और न ही इस संबंध में कानूनी तकाजों का खयाल रखना जरूरी समझते हैं। देश भर से ऐसे मामले सामने आते रहते हैं, जिनमें अराजक समूहों ने कहीं पार्क या रेस्तरां में जबरन घुसकर लड़के-लड़कियों या प्रेमी युगलों के खिलाफ अपमानजनक और हिंसक व्यवहार किया।हेराना की बात यह है कि एक ओर समाज अपनी रोजमर्रा की जीवनशैली में सभी आधुनिक सुविधाओं का उपभोग करना चाहता है, लेकिन सोच-समझ और पूर्वाग्रहों के मामले में उन्हीं प्रतिगामी मूल्यों को ढोता है, जो कई बार अमानवीय और आपराधिक भी होते हैं।

महिलाओं की सेहत के लिए देशभर में हों खास इंतजाम

(अभिषेक पाण्डेय)

भारत में बड़ी संख्या में महिलाएं मेनोपॉज से गुजर रही हैं, लेकिन इससे जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं और जागरूकता पर अभी पर्याप्त ध्यान नहीं है। इस दौरान शारीरिक के साथ मानसिक समस्याएं भी हो सकती हैं। डॉ. अंजू अग्रवाल कर्नाटक ने हाल में रितु थारे नाम से एक योजना शुरू की। इसके तहत आशा वर्कर्स घर-घर जाकर महिलाओं को प्री-मेनोपॉज और पोस्ट-मेनोपॉज के बारे में जागरूक कर रही हैं। साथ में उन्हें स्वास्थ्य सहायता दी जा रही है। इस तरह की योजना असल में पूरे देश में चाहिए। मेनोपॉज महिलाओं के जीवन में आने वाला एक सामान्य बदलाव है, लेकिन इसे सिर्फ पीरियड्स बंद होने या प्रजनन क्षमता खत्म होने से जोड़कर देkhना सही नहीं।

जीवन पर असर -इस दौर में शरीर और मन में कई तरह के बदलाव हो सकते हैं। अचानक गर्मी लगना या पसीना आना, नींद खराब होना, थकान, चिड़चिड़ापन, चिंता, ध्यान लगाने या चीजें याद रखने में परेशानी और मांसपेशियों व हड्डियों में दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इनका असर रोजमर्रा की जिंदगी, काम और रिश्तों पर भी पड़ सकता है। महिलाएं अब पहले से ज्यादा लंबी उम्र जी रही हैं। ऐसे में जीवन का एक बड़ा हिस्सा मेनोपॉज के बाद गुजरता है। इसलिए इसे अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने और आगे होने वाली बीमारियों से बचाव की तैयारी के महत्वपूर्ण समय के रूप में देखना चाहिए।

बड़ी तादाद - नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के आंकड़ों के अनुसार, 30 से 49 वर्ष की करीब



14.7 प्रतिशत विवाहित महिलाएं मेनोपॉज की अवस्था में थीं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह अनुपात शहरों की तुलना में अधिक था। इन आंकड़ों से जाहिर है कि बड़ी संख्या में महिलाओं को मेनोपॉज से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत है।

नियमित जांच - इस उम्र में ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय रोग, हड्डियों की कमजोरी और मानसिक स्वास्थ्य जैसी समस्याओं की नियमित जांच जरूरी है। समय पर इनका पता चलने से गंभीर बीमारियों और इलाज के खर्च को कम किया जा सकता है।इससे महिलाओं की सेहत और जीवन की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। 2026 की इंडियन मेनोपॉज सोसाइटी की गाइडलाइन में भी कहा गया है कि यह समय स्वास्थ्य की जांच और बीमारियों से बचाव के लिए महत्वपूर्ण है।

कम ध्यान -भारत में यह मुद्दा इसलिए भी अहम है क्योंकि यहां मेनोपॉज अपेक्षाकृत कम उम्र में होता है और इससे गुजरने वाली महिलाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके बावजूद सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में इस मुद्दे पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता। महिलाओं में भी जागरूकता की कमी है। ज्यादातर इसे उम्र बढ़ने का सामान्य हिस्सा मानकर इससे जुड़ी परेशानियों को सहती रहती हैं। सर्जरी का असर - कुछ कम उम्र की महिलाओं में अंडाशय की सर्जरी के बाद भी मेनोपॉज जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। ऐसी महिलाओं की मदद के लिए लखनऊ के क्रीन मेरी अस्पताल में मेनोपॉज क्लिनिक चलाया जा रहा है। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में 300 महिलाओं को शामिल किया गया। इसमें प्राकृतिक और सर्जरी के

यह परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के औद्योगिक ढांचे का कार्याकल्प होगा। सरकार की इस राह का पहला पड़ाव वर्ष 2031-32 है, जब मौजूदा परियोजनाओं के तहत क्षमता लगभग 22 गीगावाट पहुंचाने का लक्ष्य है। इसके बाद परमाणु ऊर्जा निगम, यानी एनपीसीआइएल 2047 तक लगभग 54 गीगावाट तक पहुंचने के लिए 32 गीगावाट नई क्षमता जोड़ने की योजना बना रहा है। शेष करीब 46 गीगावाट केंद्रीय और राज्य सार्वजनिक उपक्रमों, निजी क्षेत्र और संयुक्त उपक्रमों से पैदा किए जाने की परिकल्पना है। यानी लक्ष्य का आकार जितना बड़ा है, उतना ही बड़ा सहयोग का दायरा भी चाहिए। ऊर्जा के क्षेत्र में देश की उपलब्धियां इस यात्रा को आधार देती हैं। स्वदेशी 700 मेगावाट के ‘प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर’ देश की तकनीकी क्षमता का प्रमाण हैं।

छोटे माइक्रूलर रिएक्टर को लेकर भी उत्साह और यथार्थ के बीच संतुलन जरूरी है। छोटे रिएक्टर पुराने ताप विद्युत संयंत्रों की जगह ऊर्जा-गहन उद्योगों या दूरदराज के क्षेत्रों में उपयोगी हो सकते हैं।ऊर्जा के क्षेत्र में विकास का अर्थ सिर्फ यह नहीं है कि किसी देश के पास कितनी ऊर्जा उपलब्ध है, बल्कि यह भी है कि ऊर्जा कितनी भरोसेमंद, स्वच्छ और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप है। वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के सपने के बीच परमाणु ऊर्जा की क्षमता को मौजूदा 8.78 गीगावाट से बढ़ाकर सौ गीगावाट करने का लक्ष्य ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, उन्नत विनिर्माण और विद्युत परिवहन जैसे क्षेत्रों का तेजी से विस्तार हो रहा है। इन्हें अधिक एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति की जरूरत है। सौर और पवन ऊर्जा को भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा का बड़ा स्रोत बनाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन इनकी प्रकृति में मौजूद अस्थिरता के बीच परमाणु ऊर्जा चौबीसों घंटे उपलब्ध कम-कार्बन बिजली का आधार बन सकती है। मगर इस लक्ष्य को पाने में चुनौतियां भी कम नहीं है।फरवरी 2026 में सरकार ने जानकारी दी कि देश में 24 परमाणु बिजली संयंत्र 8.78 गीगावाट की कुल क्षमता के साथ वाणिज्यिक संचालन में हैं। वर्ष 2024-25 में कुल बिजली उत्पादन में परमाणु ऊर्जा की हिस्सेदारी लगभग 3.1 फीसद रही। ऐसे में वर्ष 2047 तक सौ गीगावाट पर पहुंचने का अर्थ है वर्तमान क्षमता का करीब बारह गुना विस्तार।

यह परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के औद्योगिक ढांचे का कार्याकल्प होगा। सरकार की इस राह का पहला पड़ाव वर्ष 2031-32 है, जब मौजूदा परियोजनाओं के तहत क्षमता लगभग 22 गीगावाट पहुंचाने का लक्ष्य है। इसके बाद परमाणु ऊर्जा निगम, यानी एनपीसीआइएल 2047 तक लगभग 54 गीगावाट तक पहुंचने के लिए 32 गीगावाट नई क्षमता जोड़ने की योजना बना रहा है। शेष करीब 46 गीगावाट केंद्रीय और राज्य सार्वजनिक उपक्रमों, निजी क्षेत्र और संयुक्त उपक्रमों से पैदा किए जाने की परिकल्पना है। यानी लक्ष्य का आकार जितना बड़ा है, उतना ही बड़ा सहयोग का दायरा भी चाहिए।

ऊर्जा के क्षेत्र में देश की उपलब्धियां इस यात्रा को आधार देती हैं। स्वदेशी 700 मेगावाट के ‘प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर’ देश की तकनीकी क्षमता का प्रमाण हैं।



‘फास्ट ब्रीडर’ कार्यक्रम आगे बढ़ रहा है और कल्पकर्म के 500 मेगावाट ‘प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर’ ने बीते अप्रैल में काम करना शुरू किया है।

इसके अलावा छोटे माइक्रूलर रिएक्टर (एसएमआर) के स्वदेशी डिजाइन पर भी काम चल रहा है। कम से कम ऐसे पांच रिएक्टर को वर्ष 2033 तक विकसित और परिचालित करने का लक्ष्य है। इन उपलब्धियों से पता चलता है कि चुनौती केवल तकनीक खोजने की नहीं, बल्कि उसे बड़े पैमाने पर संचालित करने की भी है।

यही सवाल सबसे बड़ा है कि क्या भारत रिएक्टरों को समय पर और तय लागत में बना सकता है। परमाणु संयंत्रों में शुरुआती पूंजी बहुत बड़ी होती है और निर्माण लंबा चलता है। एक परियोजना में देरी केवल समय नहीं बढ़ाती, उसकी आर्थिक लागत भी बढ़ाती है। इसलिए मानकीकृत डिजाइन, घरेलू विनिर्माण, मजबूत आपूर्ति श्रृंखला, प्रशिक्षित मानव संसाधन और कुशल परियोजना प्रबंधन अनिवार्य होंगे।

इस संदर्भ में वर्ष 2025 का एसएचएएनटीआइ कानून

महत्वपूर्ण मोड़ है। इसने लाइसेंस के अधीन निजी क्षेत्र को परमाणु प्रतिष्ठान और परमाणु ऊर्जा से संबंधित गतिविधियों में भागीदारी का रास्ता साफ कर दिया है। इससे पूंजी, तकनीक, विनिर्माण और परियोजना प्रबंधन के नए खेत खुल सकते हैं। मगर कानून अपने आप में निवेश की गारंटी नहीं है। निजी निवेश तभी आएगा, जब दायित्व, लाइसेंस, नियमन, सुरक्षा और परियोजना से जुड़ी आर्थिक जरूरतों को लेकर नियम स्पष्ट, स्थिर एवं पूर्वानुमेय हों। निजी भागीदारी का अर्थ सुरक्षा मानकों को ढीला करना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और जवाबदेही को और स्पष्ट करना है।

परमाणु ऊर्जा का दूसरा बड़ा प्रश्न जनता का विश्वास है। कुंडनकुलम और जैतापुर के अनुभवों ने दिखाया है कि स्थानीय असहमति को केवल विकास-विरोधी मानसिकता कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। सुरक्षा, पर्यावरण, आपदा-प्रबंधन, मुआवजा, पुनर्वास और स्थानीय रोजगार जैसी चिंताएं वास्तविक हैं।

इसलिए परमाणु परियोजनाओं की सफलता केवल

रिएक्टर की तकनीक से तय नहीं होगी, वह उस सामाजिक अनुबंध से भी तय होगी, जो परियोजना और प्रभावित समुदाय के बीच बनता है। पारदर्शी सूचना, समयबद्ध मुआवजा और स्थानीय आर्थिक अवसर भरोसा पैदा कर सकते हैं। सुरक्षा इस पूरे विस्तार की केंद्रीय शर्त होनी चाहिए। तेज निर्माण का मतलब सुरक्षा जांच में कटौती नहीं हो सकता, बल्कि लक्ष्य यह होना चाहिए कि नियामकीय प्रक्रियाएं अधिक स्पष्ट और समयबद्ध हों, विभिन्न संस्थाओं के बीच समन्वय बेहतर हो और निर्णय में अनावश्यक प्रशासनिक विलंब न हो।

छोटे माइक्रूलर रिएक्टर को लेकर भी उत्साह और यथार्थ के बीच संतुलन जरूरी है। छोटे रिएक्टर पुराने ताप विद्युत संयंत्रों की जगह ऊर्जा-गहन उद्योगों या दूरदराज के क्षेत्रों में उपयोगी हो सकते हैं। मगर उनकी आर्थिक व्यवहार्यता, सुरक्षा और बड़े पैमाने पर तैनाती का अनुभव अभी विकसित होना है। इसलिए उन्हें चमत्कारी समाधान मानने के बजाय परमाणु ऊर्जा के व्यापक कार्यक्रम का एक संभावित हिस्सा समझना बेहतर होगा।

भारत को परमाणु और नवीकरणीय ऊर्जा के बीच चुनाव करने की जरूरत भी नहीं है। भविष्य का ऊर्जा तंत्र सौर, पवन, जलविद्युत, भंडारण, मजबूत ग्रिड और परमाणु ऊर्जा के संतुलित मेल से बनेगा। जहां नवीकरणीय ऊर्जा लागत और विस्तार की दृष्टि से अवसर देती है, वहीं परमाणु ऊर्जा स्थिरता और दीर्घकालिक कम-कार्बन आपूर्ति का भरोसा दे सकती है। दोनों के बीच संतुलन ही ऊर्जा संक्रमण को अधिक टिकाऊ बना सकता है।

इस यात्रा में ईंधन सुरक्षा और ज्ञान-संपदा को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। रिएक्टरों की संख्या बढ़ेगी, तो ईंधन, भारी उपकरण, परमाणु-ग्रेड सामग्री, रखरखाव और विशेषज्ञ सेवाओं की मांग भी बढ़ेगी। इसलिए आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल रिएक्टर बनाना नहीं, पूरे जीवन-चक्र की क्षमता तैयार करना है।

र्ग पहेली 6226

1	2	3	4	5	6	
7				8		
9			10	11		12
		13			14	
15	16				17	
			18		19	
20		21			22	23
24				25		

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1877 को पैदा हुए थे ये मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री (7)
7. जलन्धरी, जलसाथी के समीप रहने वाले पक्षी (4)
8. निशान, धिन्ध, परीक्षा में प्राप्त अंक (2)
9. निर्गलित, उड़थया या निश्चित किया हुआ (2)
10. र वर्ण बोधक अक्षर (3)
14. एक प्रकार का मत जिसे पृथ्वी एवं गी गी से रोष्यों ने दुहा था (2)
15. पंचरत्न, विद्यदाल, सेवा-सुश्रवा (3)
17. गीत प्रस्तुत करने की क्रिया, गायन (2)
18. यह क्षेत्र कोकाल खनन के लिए प्रसिद्ध है (4)
20. तमारा देखने वाला व्यक्ति (4)
22. डाला जाना, छोड़ा जाना (3)
24. जो रिश्ते में पति की बहन हो (3)
25. अग्रज, पवित्र, पुरातन (2)
उत्तर से नीचे

1. पाल्घाट टिखने का पर्व (5)
2. धुलना, विलय होना, समा जाना (3)
3. समुद्र में उत्पन्न एक जंतु का खोल, समुद्री शै जिससे हिंदू धर्म के लोग पवित्र मानते है (2)
4. किन्नोर पर, समीप, मेड़, कारीगर (3)
5. संछ्पा, हिसाब, लेखा, गिनती (3)
6. लिपिक, हिसाब-किताब एवं पत्राचार करने

वाला कर्मचारी, कान्ठ (2)
11. जयशंकर प्रसाद का प्रसिद्ध प्रबंध काव्य (4)
12. तपस्या, तप, पुरानी फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री (3)
13. एक प्राचीन शस्त्र, कंटका, विकट पीछा (2)
14. प्रकारा ज्ञा निर्देशित बनी आनय देवान द्वाा अभिनीता एक प्रसिद्ध सफल फिल्म (4)
16. पवनपुत्र, केसरी नंदन (4)
18. यह बुद्धलेखंड का प्रसिद्ध लौकनृत्य है, एक प्रकार की छोटी सरसों (2)
19. नेपाल और बिहार में बहने वाली एक नदी (3)
20. शरीर, देह, काया (2)
21. शक्ति, खुशी, प्रसन्न (2)
23. संबंध से, हेतु, कारते (2)

र्ग पहेली 6225 का हल

श्री	ल	का	स	र	ड	द
म	नू	का	इ	ड		
त	ज	न	वा	ई	स	षा
	त	व		भा	न	व
जो	द	ना	स	ही	र	
प्र	न	दा	न	म	क्ष	
व		श्री	भा		उ	
श्री	ड	र	दे	व	दा	स

आज का राशिफल



मेष

आज दिन खर्चीला हो सकता है।दिन मिलाजुला रहेगा।दिन की शुरुआत में काम की गति सुस्त रहेगी लेकिन दिन चढ़ते-चढ़ते आप एक्टिव मोड में आ जाएंगे और अपने कई पारिवारिक पेंडिंग काम को निपटा पाएंगे।बच्चों की ओर से आपको प्रसन्नता मिलेगी।



मिथुन

आज आपका अटका हुआ काम बनेगा।दिन सामान्य रूप से सुखद और आनंददायक रहेगा।आप प्लानिंग के साथ अपने काम को निपटाते जाएंगे।वेसे काम अधिक होने से आपको थकान भी हो सकती है।सितारे बताते हैं कि आपको दूरगामी सोच का लाभ मिलेगा।



सिंह

आज प्रभाव और सम्मान की प्राप्ति होगी।आप अपने पूर्व में किए काम की समीक्षा कर सकते हैं।कुछ नए काम को भी शुरू करने का विचार बन सकता है।बिजनेस करने वाले जातकों के लिए लाभ कारोबारी दृष्टि से लाभदायक रहेगा।सामाजिक क्षेत्र में आपको प्रभाव और सम्मान बढ़ेगा।



वृष

आज जीवनसाथी से सहयोग पाएंगे।दिन व्यस्तता भरा रहेगा।कुछ पारिवारिक विषयों को लेकर आप उलझन भी महसूस कर सकते हैं।परिवार के साथ शाम का समय आपका सुखद बीतेगा और आप किसी मनोरंजक कार्यक्रम का आनंद भी ले पाएंगे।छोटी अथवा लंबी दूरी का संयोग बनेगा।



कर्क

आज कारोबार में लाभ का संयोग है।दिन सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने वाले रहेंगे।आपका फोकस कल घरेलू कार्यों पर रहेगा।आप अपने पेंडिंग काम को निपटा पाएंगे।दोस्तों और सगे संबंधियों से लंबी बातचीत हो सकती है और मिलने जुलने का संयोग भी बन सकता है।



कन्या

आज आपका सामाजिक प्रभाव बढ़ेगा।आज का दिन सूर्य के राशि में मौजूद रहने से अनुकूल रहेगा।आपका सामाजिक प्रभाव और सम्मान बढ़ेगा।मनोबल भी आपका ऊंचा रहेगा।कारोबार व्यापार के लिहाज से भी दिन आपका अनुकूल बीतेगा।



तुला

आज आपको व्यवहार कुशलता का फायदा मिलेगा।दिन आर्थिक रूप से अच्छा रहेगा।आप वित्तीय योजनाओं का लाभ ले पाएंगे।वाणी और व्यवहारकुशलता का भी आपको फायदा मिलेगा।दोस्तों और सगे संबंधियों में आपका प्रभाव बढ़ेगा।प्रेम संबंध में प्रगाढ़ता बनी रहेगी।संतान की ओर से प्रसन्नता मिलेगी।



धनु

आज मन उलझन में रह सकता है।दिन मिलाजुला रहेगा।दिन के आरंभ में थोड़ी सुस्ती और सिरदर्द भी समस्या हो सकती है लेकिन धीरे-धीरे सेहत में सुधार महसूस करेंगे।पारिवारिक जीवन में आपको जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा लेकिन कुछ नई जिम्मेदारियों के अचानक आने से मन उलझन में रह सकता है।



कुंभ

आज कोई बड़ी चाहत पूरी हो सकती है।दिन सामान्य रूप से अच्छा रहेगा।काम की व्यस्ता रह सकती है लेकिन सोचा हुआ काम पूरा होने से आपको मानसिक संतुष्टि मिलेगी।आर्थिक मामलों में दिन सामान्य रूप से अच्छा है।किराता और होटल से संबंधित काम में आपकी कमाई बढ़ेगी।



वृश्चिक

आज आपको रुचिकर काम करने का मौका मिलेगा।दिन शुभ लाभदायक रहेगा।आप दिन के आरंभ से ही अपने पेंडिंग काम को पूरा करने का प्रयास करेंगे।शिक्षा प्रतियोगिता में आपका प्रदर्शन बेहतर होगा।वाहन और घर के उपकरणों पर आपको धन खर्च करना पड़ सकता है।



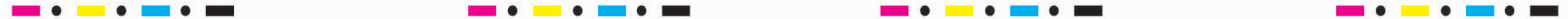
मकर

आज ससुराल पक्ष से लाभ पाएंगे।आज का दिन का संयोग लाभदायक है।आपको ऊर्जा और काम करने का जोश मिल रहा है।आप अपने सभी अटके काम को पूरा करने का प्रयास करें जीवनसाथी और परिवार का भी आपको पूरा सपोर्ट मिलेगा।किसी धार्मिक अथवा सामाजिक काम में भाग लेने का मौका मिल सकता है।



मीन

आज भावुकता पर कंट्रोल करना होगा।दिन कुल मिलाकर सामान्य कहा जा सकता है।आप परिवार और आपनों के साथ सुखद समय बिताने का प्रयास करेंगे।कुछ अधूरे काम जो काफी समय से अधूरे हैं उनको पूरा करने पर आपका फोकस रहेगा।आपके लिए जरूरी है कि दबे मुद्दों को जगाने की कोशिश न करें।



संक्षिप्त

समाचार

महाराष्ट्र के दौंड में युवक से मारपीट और लूटपाट, दो भाइयों पर मामला दर्ज

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे के दौंड इलाके में एक 29 साल के व्यक्ति से मारपीट और लूटपाट की घटना सामने आई है। पुलिस ने इस मामले में दो भाइयों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित का नाम दिनेश भरत धनवे है। वहीं, आरोपियों की पहचान आदर्श अनिल जाधव और अमन अनिल जाधव के तौर पर हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता रेलवे ग्राउंड के पास खड़ा होकर फोन पर बात कर रहा था। उसी समय आरोपी उसके पास आए और पैसे की मांग करते हुए पूछा, 'तुम हमारे इलाके में क्यों आए हो?' जब शिकायतकर्ता रेलवे ग्राउंड के पास खड़ा होकर फोन पर बात कर रहा था। उसी समय आरोपी उसके पास आए और पैसे की मांग करते हुए पूछा, 'तुम हमारे इलाके में क्यों आए हो?' जब शिकायतकर्ता ने अपने रिश्तेदारों को फोन किया, तो आरोपी ने अपने भाई अमन अनिल जाधव को मौके पर बुला लिया। दोनों ने मिलकर धनवे को अपशब्द कहें और जान से मारने की धमकी दी।

पंजाब में पराली जलाने पर प्रशासन

सख्त : अब तक 40 घटनाएं दर्ज, किसानों पर लगा 40 हजार जुर्माना

पटियाला, एजेंसी। पंजाब में धान की कटाई के शुरुआती दौर के साथ ही पराली जलाने (क्रॉप रेंसिड्यू बर्निंग) की घटनाओं पर निगरानी और सख्त कार्रवाई तेज कर दी गई है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएमएस) और राज्य प्रशासन की निगरानी रिपोर्ट के अनुसार, 26 सितंबर तक राज्य भर में सैटेलाइट और प्रोटोकॉल के तहत अब तक आगजनी की कुल 40 घटनाएं सामने आई हैं। आंकड़ों के मुताबिक, सबसे अधिक 21 मामले अमृतसर जिले में दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 14 खेतों का मौके पर भीतिक सत्यापन किया गया और 4 मामलों में आग लगने की पुष्टि हुई। इसके बाद तरनतारन में 6 और फिरोजपुर में 5 मामले सामने आए हैं। गुरदासपुर में 2, जबकि फाजिल्का, होशियारपुर, शहीद भगत सिंह नगर (एसबीएस नगर), पटियाला और रुपनगर में 1-1 मामला दर्ज हुआ है। राज्य भर में कुल 28 खेतों का भीतिक निरीक्षण किया गया, जिनमें से 12 स्थानों पर पराली जलाने की पुष्टि हुई है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विभाग ने कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। कुल 8 मामलों में 40,000 रुपये का पर्यावरण मुआवजा (ईसी) लगाया गया है, जिसमें से 10,000 रुपये की वसूली की जा चुकी है। इसमें फिरोजपुर पर 15,000 रुपये, तरनतारन पर 10,000 रुपये, अमृतसर पर 5,000 रुपये, होशियारपुर पर 5,000 रुपये और पटियाला पर 5,000 रुपये का जुर्माना शामिल है। वहीं, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत पटियाला जिले में 1 मामला दर्ज किया गया है।

तमिलनाडु : तिरुचेंदुर सुब्रमण्य

स्वामी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, समुद्र तट पर जलाए दीपक

तिरुचेंदुर, एजेंसी। तमिलनाडु के तिरुचेंदुर में स्थित तिरुचेंदुर अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ उमड़ी है। रविवार होने और स्कूलों में छुट्टी होने के कारण हजारों भक्तों ने मंदिर में दर्शन पूजन किए हैं। तिरुचेंदुर अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में शनिवार को पूर्णिमा के अवसर पर भी लोगों की भीड़ पहुंची। हजारों भक्त तिरुचेंदुर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर के समुद्र तट पर जमा हुए। उन्होंने मंदिर के पास समुद्र तट पर जमा हुए भक्तों ने रेत पर बैठकर दीपक जलाए और चंद्रमा की पूजा की। कई भक्तों ने स्वामी के दर्शन के लिए लंबी कतार में इंतजार भी किया। कई लोग पूर्णिमा की रस्म के तहत रात भर मंदिर के पास समुद्र तट पर ही रुक रहे। अगले दिन रविवार को छुट्टी होने के कारण भी मंदिर में भक्तों की भीड़ रही है। तिरुचेंदुर मंदिर, भगवान मुरुगन के छह पवित्र स्थानों में से एक है। इस मंदिर की एक खास बात यह है कि यह भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित है। यह वही पवित्र स्थान है जहां भगवान मुरुगन ने देवताओं के देवसेनापति का रूप धारण किया और नाम के असुर का वध करके बुराई पर विजय प्राप्त की थी। तब से तमिल लोग 'स्कंद षष्ठी' के दौरान इसे एक वार्षिक उत्सव के रूप में मनाते आ रहे हैं।

एसआईआर विवाद: असदुद्दीन ओवैसी ने प्रक्रिया पर उठाए सवाल, कहा- चुनाव आयोग बताए फैसले किस बहुमत से लिए गए

हैदराबाद , एजेंसी। चुनाव आयोग को लेकर चल रहे विवाद के बीच एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन से लेकर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया तक कई सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब 2023 या 2024 में संबंधित विधेयक संसद में पेश किया गया था, तब उनकी पार्टी ने आशंका जताई थी कि अगर सरकार इसी तरह मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन करेगी तो जनता की नजर में आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठेंगे। ओवैसी ने कहा कि कानून मंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता को चयन प्रक्रिया में शामिल करने से प्रभावी तौर पर 2:1 का अनुपात बन जाता है। उन्होंने आयोग द्वारा लिए गए फैसलों को लेकर भी सवाल उठाया और पूछा कि आखिर कितने फैसले लिए गए और उन्हें किस बहुमत के आधार पर मंजूरी दी गई।

ओवैसी ने एनआरसी से की एसआईआर प्रक्रिया की तुलना : एआईएमआईएम सांसद ने कहा कि आयोग ने देशभर में कई फैसले लिए जाने और प्रक्रिया में संतुलन बनाए रखने की बात कही थी। इस संबंध में प्रेस नोट भी



जारी किए गए थे। ओवैसी ने कहा कि उन्होंने संसद में एसआईआर को बैकडोर एनआरसी यानी पीछे के रास्ते से एनआरसी लागू करने जैसा बताया था।

ओवैसी ने कहा कि अगर आज तेलंगाना में कोई राजनीतिक दल जमीन पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है तो वह एआईएमआईएम है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में न तो एनआरसी हुआ था और न ही स्थायी निवास प्रमाणपत्र जारी किए गए थे।

परिवार रजिस्टर को लेकर क्या बोले एआईएमआईएम सांसद : उन्होंने चुनाव में इस्तेमाल होने वाले परिवार रजिस्टर को लेकर भी सवाल उठाया। ओवैसी के मुताबिक, चुनाव आयोग ने बिहार में सामने आई समस्याओं का हवाला देते हुए परिवार रजिस्टर को खारिज कर दिया। उन्होंने पूछा कि ऐसी स्थिति में पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन कैसे संभाला जाएगा।

चुनाव आयोग के काम में सरकार को कोई दखल नहीं : रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने एसआईआर को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर विपक्ष के आरोपों की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि पिछले 4-5 दिनों से एक अखबार की रिपोर्ट के आधार पर विपक्षी पार्टियां, खासकर कांग्रेस और राहुल गांधी, चुनाव आयोग पर बेबुनियाद और शर्मनाक आरोप लगा रही हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है और भाजपा इसकी भर्त्सना करती है। प्रसाद का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई 2026 को एसआईआर की पूरी प्रक्रिया को उचित माना। कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी और टीएमसी की ओर से इस प्रक्रिया को अदालत में चुनौती दी गई थी। सबको सुनने के बाद कोर्ट ने SIR को सही ठहराया। उन्होंने टीएमसी के संदर्भ में यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर न्यायिक अधिकारी तैनात किए गए थे और उस समय उन पर हमला हुआ था। शनिवार को दिल्ली में चुनाव आयोग की बैठक हुई, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों आयुक्त



मौजूद थे। चुनाव आयोग के एक प्रेस नोट में कहा गया है कि स्ट्रूक से जुड़े जितने फैसले हुए, वे मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों आयुक्तों की सहमति से हुए। देश के विभिन्न हिस्सों में स्ट्रूक संबंधी कदम को सुप्रीम कोर्ट ने वैध ठहराया है। सरकार को लाइन भी इसी से जुड़ती है-किसी भी संस्था में आंतरिक मतभेद सामान्य हैं, अंतिम फैसले सर्वसम्मति से होते हैं। एसआईआर अवैध मतदाताओं की सफाई है, राजनीतिक हथियार नहीं। सरकार एसआईआर संबंधित आदेश को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21(3) के अनुरूप बता रही है।

केरलम के पूर्व मुख्य सचिव जिजी थॉमसन का दावा- ज्ञानेश कुमार ने दिया था भाजपा में शामिल होने का ऑफर

तिरुवनंतपुरम , एजेंसी। केरल के पूर्व मुख्य सचिव जिजी थॉमसन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर एक बड़ा दावा किया है। जिजी थॉमसन ने दावा किया कि वर्ष 2016 में सरकारी सेवा के दौरान ज्ञानेश कुमार ने उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद भाजपा में शामिल होकर लोकसभा चुनाव लड़ने का सुझाव दिया था। थॉमसन के अनुसार, ज्ञानेश कुमार ने यह भी कहा था कि अगर वह चुनाव जीत जाते हैं तो केंद्र सरकार में मंत्री बनने का मौका मिल सकता है। थॉमसन के अनुसार, यह बातचीत वर्ष 2016 में दिल्ली जाने वाली एक उड़ान के दौरान हुई थी। उस समय वह और ज्ञानेश कुमार दोनों ही सरकारी सेवा में कार्यरत थे। थॉमसन के



मुताबिक, उन्होंने इस सुझाव को उसी समय खारिज कर दिया था, क्योंकि उनकी चुनावी राजनीति में आने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। ज्ञानेश कुमार को लेकर थॉमसन का यह दावा ऐसे समय सामने आया है, जब चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त को उड़ान के दौरान हुई थी। उस समय वह और ज्ञानेश कुमार दोनों ही सरकारी सेवा में कार्यरत थे। थॉमसन के

ओवैसी ने कहा कि लोगों से ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करने को कहा जा रहा है, जबकि बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को घर-घर जाकर नोटिस बांटने हैं। उन्होंने दिल्ली में करीब 40 लाख मामलों की प्रक्रिया का भी जिक्र करते हुए पूछा कि ऑनलाइन काम, घर-घर जाना और दस्तावेज जुटाने जैसी गतिविधियां एक साथ कैसे पूरी होंगी।

ओवैसी ने लगाए क्या आरोप : उन्होंने कहा कि ये ऐसे काम हैं जिन्हें व्यावहारिक तौर पर पूरा करना बेहद मुश्किल है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में उठाए गए मुख्य सवाल का जवाब देने में सक्षम नहीं है। ओवैसी ने कहा कि वह शुरुआत से ही एसआईआर का विरोध करते रहे हैं। उनके मुताबिक, उन्हें लगता है कि एसआईआर को लेकर लिया गया फैसला गलत था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे बरकरार रखा। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के फैसले बहुमत के आधार पर लिए जाने चाहिए थे। ओवैसी ने आयोग से देश को यह बताने की मांग की कि उसके फैसले किस तरह के बहुमत के आधार पर लिए गए। उन्होंने कहा कि आयोग को यह भी

बताना था कि कितने फैसले बहुमत से लिए गए। ओवैसी ने कहा कि चुनाव आयोग के दो सदस्यों ने असहमति वाले नोट दिए हैं। ऐसे में अगर फैसले बहुमत से नहीं लिए गए तो उनकी वैधता का सवाल उठता है। **एसआईआर से देश की गरीबों पर पड़ा क्या बोझ**: ओवैसी ने कहा कि एसआईआर के कारण देश के गरीब लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। दस्तावेजों की तलाश में उन्हें जगह-जगह भटकना पड़ रहा है, जिससे उनकी गरिमा प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि गरीबों पर इतना बड़ा बोझ डाल दिया गया है कि इसे कैसे संभाला जाएगा, यह समझना मुश्किल है।

उन्होंने भाजपा सरकार से उन लोगों को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की, जिनके नाम अंतिम एसआईआर में शामिल नहीं हुए। ओवैसी ने सवाल किया कि जिन लोगों के नाम अंतिम सूची से बाहर रह गए, उनके बच्चों, बेटों, बेटियों और पोते-पोतियों के नाम कैसे शामिल किए जाएंगे। उन्होंने पूछा कि अगर किसी व्यक्ति के दादा-दादी या माता-पिता के नाम ही सूची में नहीं हैं तो अगली पीढ़ी अपने वंश का मितलान किसके आधार पर कराएगी।

चंडीगढ़ में बाइक चालकों पर रोजी-रोटी का संकट

चंडीगढ़, एजेंसी। शहर में ऐप आधारित बाइक टैक्सी सेवाओं पर रोक के बाद बाइक चालकों के सामने अब रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। काम बंद होने से परेशान ऐप बेस्ड वर्कर्स यूनियन से जुड़े चालकों ने अपनी बाइक की चाबियां एकत्रित कर प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपने का फैसला लिया है। उनका कहना है कि जब बाइक से कमाई का रास्ता ही बंद हो गया है तो हर महीने की किस्त और परिवार का खर्च कैसे चलाया जाए।

चंडीगढ़ में बाइक चालकों का प्रदर्शन: चालकों के मुताबिक ज्यादातर ने बाइक अपने काम के लिए खरीदी है और उसकी किस्त भी हर महीने भरनी पड़ती है। बाइक टैक्सी के जरिए होने वाली कमाई से ही घर का खर्च और धक्कू चलती थी। सेवाएं बंद होने के बाद आमदनी का यह जरिया अचानक खत्म हो गया है। ऐसे में उनके सामने यह चिंता बढ़ती जा रही है कि आने वाले महीनों में बाइक की किस्तें और रोजमर्रा का खर्च कैसे पूरा होगा।

महाराष्ट्र: सूखा राहत पैकेज को नाकाफी बता कांग्रेस ने लातूर और नांदेड में किया विरोध

लातूर, एजेंसी। महाराष्ट्र के लातूर और नांदेड में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शनिवार को राज्य सरकार के सूखा राहत पैकेज के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी का आरोप है कि घोषित 12 राहत उपायों से किसानों और मजदूरों को कोई ठोस मदद नहीं मिलेगी। वहीं नांदेड के मुरुखेड में दो तालुकों को सूखा प्रभावित सूची से बाहर रखने पर नाराजगी जताई गई।

राजीव चंद्रशेखर का राहुल गांधी पर हमला, पीएम मोदी और चुनाव आयोग से माफी की मांग की

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी बहस के बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरलम इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ उनकी टिप्पणियों की मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन द्वारा निंदा किए जाने पर रविवार को पलटवार किया। यह विवाद शनिवार को उस समय शुरू हुआ जब चंद्रशेखर ने राहुल की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि मतदाताओं ने कांग्रेस को "भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण की राजनीति, विकास रुकने और रोजगार की कमी" के कारण खारिज कर दिया। उन्होंने एसआईआर का बचाव करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य लोकतंत्र की रक्षा करना है। सतीशन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट



साझा कर राहुल के खिलाफ चंद्रशेखर की टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा था कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ व्यक्तिगत और अपमानजनक टिप्पणियों को राजनीतिक आलोचना नहीं कहा जा सकता। सतीशन ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर निर्वाचन आयोग के भीतर मतभेद को खबरों पर चंद्रशेखर की प्रतिक्रिया की भी आलोचना की। चंद्रशेखर ने रविवार को 'एक्स' पर सतीशन को जवाब देते हुए कहा कि वह राजनीतिक विरोधियों पर शायद ही कभी व्यक्तिगत हमला करते हैं,

लेकिन वह राहुल के मामले में ऐसा करने के लिए "मजबूर" हुए हैं। उन्होंने कहा, "2014 में थक और नाराज मतदाताओं द्वारा खारिज किए जाने के बाद से राहुल की राजनीति पूरी तरह झूठ, अपमान और संकट को बांटने पर आधारित रही है।" चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि राहुल की राजनीति "देश और उसकी संस्थाओं को लगातार कमजोर करती है।" उन्होंने राहुल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ "अपमानजनक और मानहानिकारक" टिप्पणियां करने तथा सरकार और भाजपा के बारे में गलत सूचना फैलाने का भी आरोप लगाया। चंद्रशेखर ने कहा, "मुझे राहुल और उनकी राजनीति को धोखे एवं भ्रष्टाचार पर आधारित राजनीति करार देने तथा उन्हें 'धोखेबाज' कहने में कोई झिझक या संकोच नहीं है।" उन्होंने प्रधानमंत्री और निर्वाचन आयोग के खिलाफ राहुल

की टिप्पणियों की आलोचना करते हुए कहा कि निंदा वास्तव में उन टिप्पणियों की होनी चाहिए। चंद्रशेखर ने कहा, "राजनीति में सम्मान देश के लिए ईमानदारी से कड़ी मेहनत और सेवा करके अर्जित करना पड़ता है। राजनीति वंशवाद के सहारे बने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में राहुल ने इनमें से कुछ भी नहीं किया।" चंद्रशेखर ने एसआईआर के बारे में कहा कि सतीशन के विचार कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के रुख से मेल नहीं खाते। उन्होंने कहा कि "फर्जी, काल्पनिक और अवैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाए जाने चाहिए और हटाए जाएंगे।" चंद्रशेखर ने कहा कि सामान्य तौर पर वह सतीशन की आलोचना को नजरअंदाज कर देते लेकिन उन्होंने जवाब इसलिए दिया क्योंकि सतीशन उनके राज्य के मुख्यमंत्री हैं।

यूपी में सीट बंटवारे पर फंसेगा पेंच: कांग्रेस ने विन्हित की ये 150 सीटें, सपा को ओवैसी-चंद्रशेखर की भी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे पर लंबा पेंच फंसेगा। दरअसल, कांग्रेस ने चुनाव लड़ने के लिए ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम प्रभाव वाली 150 सीटें चिन्हित की हैं। सपा पर दबाव बनाने के लिए पार्टी के अपने मुस्लिम चेहरों इमरान प्रतापगढ़ी और इमरान मसूद को सक्रिय किया है। पार्टी नेतृत्व का इरादा इस बार राज्य में कम से कम सी सीटों पर लड़ने की है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अगले हफ्ते से सपा से सीट बंटवारे के लिए संभावित बातचीत से पहले पूरी तैयारी की गई है। प्रदेश की 403 सीटों को कांग्रेस ने तीन श्रेणियों में विभाजित किया है।



इनमें से 150 ऐसी सीटें चुनी हैं जो सपा के वोट बैंक को मिला दें तो पार्टी के अनुकूल हो जाती हैं। इनमें से ज्यादातर मुस्लिम, ब्राह्मण व दलित प्रभाव वाली सीटें हैं। सूत्रों ने कहा कि प्रारंभिक बातचीत में सपा से 150 सीटें मिली जाएंगी। हालांकि आंशिक लाइन सी सीटों की है। इससे नीचे का प्रस्ताव पार्टी मंजूर नहीं करेगी। **सपा को कराएंगी जरूरत का अहसास** : पार्टी के वरिष्ठ नेता ने गठबंधन के संदर्भ में कहा कि सपा को कांग्रेस की ताकत का अंदाजा है। सपा जब 2019 के चुनाव में बसपा के साथ लड़ी थी तब उसे महज पांच सीटें मिली थी। जब हमारे साथ 2024 में लड़ी तो सपा को 37 सीटें मिली।

सपा को ओवैसी की भी चिंता : पार्टी सूत्रों का कहना है कि उत्तर प्रदेश में अगर सपा-कांग्रेस गठबंधन नहीं हुआ तो मुस्लिम-दलित वोटों में बिखराव की संभावना भी बढ़ेगी। ऐसा इसलिए कि इस चुनाव में ओवैसी चंद्रशेखर आजाद समेत कुछ अन्य दलों के साथ गठबंधन करेंगे। ऐसी स्थिति में सपा-कांग्रेस गठबंधन में मुस्लिम मतों में बिखराव को रोक सकती है। चूंकि सपा को इसका अंदाजा है, इसलिए कांग्रेस को लड़ने के लिए सपा से अधिक सीटें मिलने की उम्मीद है।

चुनाव आयोग के स्पष्टीकरण ने चुनावी प्रणाली पर जारी गलतफहमियों का किया अंत': चंद्रबाबू नायडू

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि भारत के चुनाव आयोग द्वारा सर्वसम्मति से दिए गए स्पष्टीकरण ने देश की चुनावी व्यवस्था को लेकर फैले भ्रम को पूरी तरह खत्म कर दिया है। तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू की यह टिप्पणी शनिवार को चुनाव आयोग की एक बैठक के बाद जारी किए गए विस्तृत प्रेस बयान के बाद आई है। टीडीपी केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की एक प्रमुख सहयोगी पार्टी है। चंद्रबाबू ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त एस.एस. संधू और विवेक जोशी के नेतृत्व में

चुनाव आयोग के इस स्पष्टीकरण ने एक बार फिर संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को साबित किया है। उन्होंने साफ किया कि मतदाता सूची के विशेष व्यापक संशोधन से जुड़े फैसले नियमों के तहत सामूहिक रूप से लिए गए थे। उन्होंने छोटे राजनीतिक फायदों के लिए भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया पर अंतरराष्ट्रीय भरोसे को चोट पहुंचाने की कोशिशों पर कड़ी आपत्ति जताई।

टीडीपी प्रमुख ने नेताओं को सलाह दी कि वे लोकतंत्र में जीत और हार को सम्मान के साथ स्वीकार करना सीखें।



उन्होंने साफ किया कि संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करना सबसे ज्यादा जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनता का भरोसा बनाए रखना सभी

दलों के नेताओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन को लेकर चल रहे विवाद के बीच, चुनाव आयोग ने फैसला किया है कि जिन मतदाताओं को 'अनमेच' या 'तात्किक' विवरणियों के लिए नोटिस मिले हैं, उन्हें अब कार्यरत एक अधिकारी के जरूरत नहीं होगी। इसके बजाय, बूथ स्तर के अधिकारी उनके घर जाकर जरूरी दस्तावेज इकट्ठा करेंगे और उन्हें ECINet सॉफ्टवेयर पर अपलोड करेंगे। जिसके बाद चुनावी पंजीकरण अधिकारी इस पर अंतिम फैसला लेंगे।

चुनाव संस्था ने चुनाव आयुक्तों द्वारा कैबिनेट सचिव

को भेजे गए एक पत्र के बारे में भी स्पष्टीकरण जारी किया। इसमें कहा गया कि कैबिनेट सचिव को भेजा गया पत्र आयोग के किसी नीतिगत मामले या आईटी डिवीजन से संबंधित नहीं था, बल्कि यह चुनाव आयोग में प्रतिनिधित्व पर कार्यरत एक अधिकारी के कामकाज से जुड़ा था। यह हवाला देते हुए कि बिहार और पश्चिम बंगाल समेत 20 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन संशोधन (SIR) का काम पहले ही पूरा हो चुका है, चुनाव संस्था ने कहा कि जिस किसी भी व्यक्ति का नाम एसआईआर के दौरान या उसके बाद छूट गया है, और

युवा या पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं सहित कोई भी व्यक्ति, निरंतर अपडेशन की प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करने के लिए संबंधित चुनावी पंजीकरण अधिकारी के पास आवेदन कर सकता है। आयोग ने स्टेड, 'मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को इस प्रक्रिया को आसान बनाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी और चुनावी पंजीकरण अधिकारी (EROs) इन मतदाताओं का नाम दर्ज करने के लिए तुरंत एक विशेष अभियान शुरू करेंगे।



अंकुश पुरुषों के
80 किग्रा.तो

परवीन महिलाओं के 65 किग्रा में सेमीफाइनल में पहुंचे, दो पदक पक्के



नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय बॉक्सिंग के लिए रविवार का दिन शानदार रहा। कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन अंकुश पंधाल और परवीन ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। इसके साथ ही भारत के दो और पदक पक्के हो गए हैं। अंकुश ने पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में ताजिकिस्तान के नेक्रूज सलीमोव को 5-0 से हराया, जबकि महिलाओं के 65 किग्रा में परवीन ने उज्बेकिस्तान की नवबाखोर खामिदोवा को इसी अंतर से मात दी।

अंकुश ने 5-0 से दर्ज की शानदार जीत- निशियो जिमनैजियम में खेले गए मुकाबले में अंकुश ने शुरुआत से ही सलीमोव पर दबाव बनाए रखा। पहले दो राउंड में भारतीय मुक्केबाज ने अपनी गति, पंच और डिफेंस से मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी। दोनों राउंड अंकुश ने 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से अपने नाम किए। पहले राउंड में उन्होंने राइट हुक और 1-2 पंच का अच्छा इस्तेमाल किया। दूसरे राउंड में अंकुश ने अपने लेफ्ट हुक और काउंटर पंच से ताजिक मुक्केबाज को परेशान किया। तीसरे राउंड में सलीमोव ने वापसी की कोशिश की और 4-1 से राउंड अपने नाम किया। वह नॉकडाउन की तलाश में आक्रामक हुए, लेकिन अंकुश ने अपना डिफेंस मजबूत रखा। शुरुआती दो राउंड की बढ़त के दम पर भारतीय मुक्केबाज ने 5-0 से मुकाबला जीत लिया।

परवीन ने भी 5-0 से पक्का किया पदक- अंकुश के बाद परवीन ने महिलाओं के 65 किग्रा क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की नवबाखोर खामिदोवा को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तीनों राउंड में भारतीय मुक्केबाज को सभी जजों का



समर्थन मिला। परवीन की जीत के साथ ही भारत ने इस वर्ग में कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया है। अब उनकी नजर फाइनल में जगह बनाने और पदक का रंग बदलने पर होगी। बॉक्सिंग प्रतियोगिता के कार्यक्रम के मुताबिक अंकुश और परवीन दोनों के सेमीफाइनल मुकाबले 29 सितंबर को होने हैं।

सचिन और नरेंद्र से भी उम्मीद- भारत के लिए बॉक्सिंग में रविवार को दो और अहम मुकाबले बाकी हैं। सचिन सिवाच पुरुषों के 60 किग्रा क्वार्टर फाइनल में जापान के शुनसुके कितामोटो के खिलाफ उतरेगे। वहीं, पुरुषों के 90+ किग्रा वर्ग में नरेंद्र का सामना थाईलैंड के अदथापोंग सेंगेतेप से होगा। दोनों मुकाबले जीतकर भारतीय मुक्केबाज पदकों की संख्या और बढ़ा सकते हैं।

कुराश में भारत को निराशा- कुराश में भारतीय खिलाड़ियों का अभियान पदक के बिना समाप्त हुआ। विशाल पुरुषों के +90 किग्रा क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड के कुनाथिप ये-ऑन से 0-5 से हार गए। संगीता बलहारा महिलाओं के 57 किग्रा राउंड ऑफ 32 में फिलीपींस की चामिया क्वेलिनो से 0-10 से हारीं। भारती को महिलाओं के 57 किग्रा राउंड ऑफ 16 में ईरान की ताहरेह अजरपेखवांड ने हराया, जबकि यश कुमार चौहान पुरुषों के +90 किग्रा राउंड ऑफ 16 में ताजिकिस्तान के शकरमामद मिरमामदोव से हार गए।

एक अधूरा सपना है...

2027 वनडे वर्ल्ड कप को लेकर विराट कोहली का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली ने साफ कर दिया है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप खिलाड़ी के तौर पर उनका आखिरी विश्व कप होगा। हालांकि, इस टूर्नामेंट से पहले उनके मन में एक अधूरा सपना है। कोहली ने अपने आदर्श वर्ल्ड कप अंत का खुलासा करते हुए बताया कि वह फाइनल में टीम इंडिया के लिए मैच जिताने वाली पारी खेलना चाहते हैं। जियोस्टार के साथ बातचीत में विराट कोहली ने अपने सपने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'मेरा सपना है कि मैं फाइनल में मैच जिताने वाली, मैच खत्म करने वाली पारी खेलूं, जैसे किसी लक्ष्य का पीछा करते हुए। मेरे लिए यही आदर्श स्थिति होगी।' कोहली ने साफ किया कि अगर ऐसा होता है तो उनके लिए यह बेहद खास होगा। हालांकि, व्यक्तिगत प्रदर्शन से ज्यादा उनके लिए टीम की जीत मायने रखती है।

वर्ल्ड कप जीतना सबसे बड़ी खुशी

विराट कोहली ने आगे कहा, 'अगर ऐसा होता है तो बहुत अच्छा। अगर ऐसा नहीं होता है और हम वर्ल्ड कप जीत जाते हैं, तो मैं उतना ही खुश रहूंगा।' यानी कोहली के लिए फाइनल में व्यक्तिगत तौर पर मैच जिताने वाली पारी खेलने से ज्यादा महत्वपूर्ण भारत का खिताब जीतना है।

2023 की हार अब भी बनी हुई है प्रेरणा

विराट कोहली ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार का भी जिक्र किया। अहमदाबाद में खेले गए उस फाइनल में भारत को हार का सामना करना पड़ा था। कोहली के मुताबिक, इस हार से जुड़ा अधूरा काम अब भी उन्हें प्रेरित करता है और 2027 में वह मैदान पर अपना सब कुछ झोंकना चाहते हैं।



2027 वनडे विश्व कप को लेकर रोहित शर्मा का बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने वनडे विश्व कप 2027 को लेकर बड़ा बयान दिया है। रोहित ने कहा कि वह जब तक खेल रहे हैं, तब तक उनके दिमाग में यह बात नहीं आएगी कि उनका काम पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि 2027 वनडे विश्व कप की तरफ देख रहे हैं। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग टीमों के खिलाफ अलग-अलग रणनीति बनाने की अहमियत पर जोर दिया।वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले रोहित ने नेट्स पर जमकर पसीना बहाया। वह इस दौरान पुल शॉट पर भी काम करते दिखे। जियोस्टार से बात करते हुए रोहित ने कहा, 'मेरे मन में कभी यह ख्याल नहीं आया कि मेरा काम खत्म हो गया है। जब तक आप खेल रहे हैं, हमेशा कुछ न कुछ हासिल करने की चाह रहती है। और मैं विश्व कप का इंतजार कर रहा हूं, यह देखने के लिए कि मेरे सामने क्या है।'

विश्व कप में अलग चुनौती

रोहित ने कहा, 'जब विश्व कप खेला जाता है, जब हम आईसीसी टूर्नामेंट खेलते हैं तो इसकी अपनी अनूठी चुनौतियां होती हैं, क्योंकि आपको अलग-अलग प्रतिद्वंद्वियों का सामना करना पड़ता है, अलग-अलग स्थानों पर खेलना पड़ता है। इसलिए, आपको अलग तरह से तैयारी करनी पड़ती है, अलग तरीके से सोचना पड़ता है और यही चुनौती है।' रोहित शर्मा साल 2007 और 2024 में टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे हैं, लेकिन उन्होंने कभी वनडे विश्व कप नहीं जीता है। साल 2011 में वह वनडे टीम में जगह नहीं बना पाए थे। वहीं, 2023 में उनकी कप्तानी में भारत फाइनल तक पहुंचा, लेकिन उसे हार का सामना करना पड़ा। पिछले विश्व कप में अपनी कप्तानी में रोहित ने टीम को बिना कोई मैच हारे फाइनल तक पहुंचाया था, लेकिन अहमदाबाद में रोहित के साथ ही करोड़ों भारतीयों का दिल टूट गया था। इस मैच में रोहित एक बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में अपना विकेट गंवा बैठे थे।

2027 होगा कोहली का आखिरी वर्ल्ड कप

कोहली ने पहले ही ऐलान कर दिया है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप खिलाड़ी के तौर पर उनका आखिरी बड़ा विश्व कप होगा। टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अब उनका फोकस वनडे क्रिकेट पर है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के इस स्टार बल्लेबाज ने आखिरी वर्ल्ड कप को अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए बड़ी प्रेरणा बताया है।

पांचवां बड़ा वर्ल्ड कप खेलेंगे कोहली

2027 का वनडे वर्ल्ड कप विराट कोहली का पांचवां बड़ा वर्ल्ड कप होगा। 50 ओवर के क्रिकेट में उनके नाम 14,941 रन दर्ज हैं। वह वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे स्थान पर हैं। सचिन के नाम 18,426 वनडे रन हैं।

2011 की जीत के बाद 2023 में मिली निराशा

विराट कोहली 2011 में घरेलू सरजमीं पर वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे। हालांकि, 2023 में अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल हार ने उन्हें निराश किया। अब 2027 में कोहली उस अधूरे काम को पूरा करने के इरादे से उतरेगे और अपने वर्ल्ड कप करियर का अंत खिताब के साथ करना चाहेंगे।

ख्याल कभी नहीं आया कि सब कुछ पालिया

39 साल के रोहित शर्मा ने कहा कि जब तक वे क्रिकेट खेल रहे हैं, उनके पास हासिल करने के लिए हमेशा कुछ न कुछ नया रहेगा। उन्होंने साफ किया कि उनके मन में यह ख्याल कभी नहीं आया कि उन्होंने सब कुछ पा लिया है। वे आगामी वर्ल्ड कप तथा उसमें मिलने वाले मौकों को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

हर मैच के लिए होती है अलग रणनीति

रोहित ने बताया कि वर्ल्डकप या कोई भी आईसीसी टूर्नामेंट खेलना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। इसमें हर मैच अलग-अलग मैदानों पर और नई टीमों के खिलाफ होता है। इसी वजह से खिलाड़ियों को हर मैच के लिए अलग रणनीति बनानी पड़ती है, अपनी सोच बदलनी होती है।

रोहित ने लगाया था इंग्लैंड के खिलाफ शतक

रोहित शर्मा ने अपनी पिछली सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ बहुत बेहतरीन खेल दिखाया और आखिरी मैच में शतक जड़कर अपने आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। अब वेस्टइंडीज के खिलाफ भी वे अच्छा प्रदर्शन करके टीम में अपनी जगह और मजबूत करना चाहेंगे। 2027 का वनडे वर्ल्ड कप शुरू होने तक रोहित 40 साल के हो जाएंगे।

केवी नेशनल गेम्स में जयपुर की बेटियां बनी चैंपियन

देहरादून को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराया

नई दिल्ली। गोलकीपर वृंदा टिकर ने शानदार प्रदर्शन कर रोकी दो पेनल्टी जयपुर। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बीरपुर देहरादून में आयोजित 55वीं राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में जयपुर केंद्रीय विद्यालय नम्बर 1 की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फुटबॉल अंडर - 14 बालिका वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। यहां खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में केवी - 1 जयपुर की टीम ने मेजबान देहरादून को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से शिकस्त देकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। मुकाबले के दौरान दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया और निर्धारित समय के साथ-साथ अतिरिक्त समय में भी कोई टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। फाइनल में भी कोई टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। इसमें जयपुर की टीम ने रोमांच और संघर्ष से भरपूर रहा। दोनों टीमों की खिलाड़ियों ने गोल करने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन मजबूत रक्षापंक्ति और गोलकीपिंग के कारण निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहा। अतिरिक्त समय में भी स्थिति नहीं बदली। इसके बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से किया गया, जहां जयपुर की टीम ने शानदार संयम और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए बाजी मार ली। जयपुर की जीत में गोलकीपर वृंदा टिकर की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही। पेनल्टी शूटआउट के दौरान वृंदा ने शानदार गोलकीपिंग करते हुए देहरादून की दो पेनल्टी रोक दी। वृंदा की इन बेहतरीन बतों से जयपुर टीम को जीत मिल गई। वहीं जयपुर की ओर से गोरिका यादव, देविशा सोनी और खुशी यादव ने पेनल्टी को गोल में तब्दील कर टीम को निर्णायक बढ़त दिलाई। देहरादून की ओर से संघा ही एक गोल कर सकी। इस शानदार जीत के साथ केवी - 1 जयपुर की अंडर - 14 बालिका फुटबॉल टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

एशियन गेम्स

भारतीय फैंस को झटका, शटलर आयुष शेटी का 'मैंस सिंगल्स' में सफर समाप्त

ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद कोच रवींद्र ने कहा

'थाईलैंड में कबड्डी लोकप्रिय हो रही है'

तोकाई (जापान)। थाईलैंड की पुरुष कबड्डी टीम के कोच रवींद्र शेटी ने कहा कि एशियन गेम्स में देश का ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल वह इस खेल की बढ़ती लोकप्रियता का संकेत है। 1990 में इस खेल की शुरुआत के बाद से मल्टीद्वीपीय प्रतियोगिता में थाईलैंड का यह पहला पुरुष कबड्डी मेडल है। शुक्रवार को तोकाई सिटीजन्स जिम्नैजियम में सेमीफाइनल में भारत से 28-66 से हारने के बाद थाईलैंड ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इस नतीजे के साथ थाईलैंड का अभियान ऐतिहासिक पोंडियम फिनिश के साथ खत्म हुआ और पुरुष कबड्डी में 36 साल बाद एशियन गेम्स में उनका

पहला मेडल आया। रवींद्र पिछले तीन वर्षों से थाईलैंड में कबड्डी की कोचिंग दे रहे हैं, उन्होंने कहा कि उन्होंने 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद वहां बिल्कुल शुरुआत से काम शुरू किया था। रवींद्र ने 'आईएनएस' को बताया, 'मैं पिछले तीन वर्षों से वहां कबड्डी की कोचिंग दे रहा हूं। मैंने तीन साल पहले वहां शून्य से शुरुआत की थी। मैंने हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद शुरुआत की थी। उसके बाद मैंने काम शुरू किया। अब, कबड्डी सीखने के बाद वे आगे बढ़ रहे हैं। अब, थाईलैंड में भी कबड्डी लोकप्रिय हो रही है।'



इचिनोमिया सिटी। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय शटलर आयुष शेटी का सफर 'मैंस सिंगल्स' के तीसरे राउंड में समाप्त हो गया। शनिवार को एक कड़े मुकाबले में उन्हें चीनी ताइपे के टिएन-चेन चाउ के हाथों 16-21, 21-19, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। आयुष ने कजाकिस्तान के मखसुत ताजीबुल्लायेव को 21-7, 21-7 से मात देकर तीसरे राउंड में जगह बनाई थी। वह चाउ से पहला गेम हारने के बाद वापसी करने में कामयाब रहे थे। टिएन-चेन चाउ के खिलाफ आयुष को यह हार तब मिली, जब उन्होंने दूसरे राउंड में ताजीबुल्लायेव को हारने में सिर्फ 21 मिनट लिए थे। वर्ल्ड नंबर 20 भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से ही उस मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा और अपने प्रतिद्वंद्वी को लय हासिल करने का कोई मौका नहीं दिया था। वहीं, उन्नति हुई तो मलेशिया की वॉंग लिंग चिंग के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत हासिल की और विमेंस सिंगल्स के 'राउंड ऑफ 16' में जगह बनाते हुए सिंगल्स ड्रवेंट में भारत की उम्मीदों को जिंदा रखा है। 179 मिनट तक चले इस मुकाबले में उन्नति हुई ने 21-14, 20-22, 21-19 से जीत हासिल की। वर्ल्ड नंबर 38 मलेशियाई खिलाड़ी के खिलाफ 25वीं रैंकिंग वाली भारतीय खिलाड़ी ने मजबूत शुरुआत करते हुए पहला गेम 21-14 से जीता। इसके बाद वॉंग ने दूसरे गेम में बढ़त बनाई और आखिरी पलों में 22-20 से जीत हासिल करते हुए मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।

भारतीय कंपाउंड और रिकर्व आर्चरी मिक्स्ट टीमें

सेमीफाइनल में पहुंचीं

नागोया। भारत की कंपाउंड महिला और पुरुष मिक्स्ट टीमों रविवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्स स्क्वायर में सेमीफाइनल में पहुंच गईं। चिकित्सा तनिपाथी और साहिल जाधव की कंपाउंड मिक्स्ट टीम ने राउंड ऑफ 16 में मंगोलियाई टीम को 160-146 से हराया और फिर क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान को 159-154 से हराकर आखिरी चार में जगह बनाई। इस बीच, धीरज बोम्मादेवरा और कुमुकुम अनिल मोहोद की रिकर्व जोड़ी ने राउंड ऑफ 16 में यूएई को 6-0 से हराया और बाद में क्वार्टर फाइनल में वियतनाम को 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

कंपाउंड मिक्स्ट टीम मुकाबला भी अहम होगा। एलए28 में इस डिस्प्लिन का ऐतिहासिक ओलंपिक डेब्यू होने वाला है, ऐसे में एशियन गेम्स में एक कोटा जगह खाली है, जिससे कॉन्टिनेंटल सम्मान की लड़ाई में एक और रोमांच जुड़ गया है।

इससे पहले, कंपाउंड महिला और पुरुष



टीमों ने रविवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्स स्क्वायर में कजाकिस्तान और भूटान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

ज्योति सुरेखा वेन्नम, चिकित्सा तनिपाथी और पृथिका प्रदीप की महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की रोक्साना यूनसोवा, विक्टोरिया ल्यान और एडेल

जेक्सनबिनोवा को 233-230 से हराया। कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम की पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में भूटान के केजोंग नोरबु, त्सेतुम गेले और टॉडन दोरजी को 235-232 से हराया। कुल मिलाकर, एशियन गेम्स में एलए28 ओलंपिक गेम्स के लिए आठ कोटा जगहें खाली हैं।

के माध्यम से ग्रामीण एवं वनांचल की बेटीयों को स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कार्य करने के लिए आवश्यक कौशल एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया।

दक्षिण पन्ना वनमंडल की यह पहल वन संरक्षण के साथ स्थानीय समुदायों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण प्रयास है। अंतरराष्ट्रीय बेटी दिवस पर इन बेटीयों की उपलब्धियाँ यह संदेश देती हैं कि उचित अवसर, कौशल प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन मिलने पर ग्रामीण अंचलों की बेटीयाँ भी आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार समाज और जिले का नाम रोशन कर सकती हैं।

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर ऐतिहासिक वेंकट भवन पुरातत्व संग्रहालय में विंध्य की पर्यटन संपदा, इतिहास, संस्कृति एवं पर्यटन संभावनाओं पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में विंध्य क्षेत्र की प्राकृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासत के संरक्षण, प्रचार-प्रसार तथा पर्यटन को बढ़ावा देने के विषय पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे।



सेवा संकल्प अभियान के तहत सामूहिक योगाभ्यास आयोजित

उप मुख्यमंत्री ने 2047 के विकसित भारत और स्वस्थ जीवन शैली का दिया संदेश

रीवा। ज़िले भर में 17 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, रीवा में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की तथा जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों और बड़ी संख्या में उपस्थित स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ स्वयं योगाभ्यास किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल बातें करने या निष्क्रिय बैठने से उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति नहीं हो सकती, इसके लिए निरंतर संकल्प और प्रयास की आवश्यकता होती है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का उदाहरण देते हुए कहा कि बीते 25 वर्षों में उनके एक बार भी बीमार न पड़ने का मुख्य कारण उनका



अनुशासित जीवन, संतुलित खान-पान तथा नियमित व्यायाम, योग और प्राणायाम है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की इस प्राचीन विधा को आज संपूर्ण विश्व ने स्वीकार किया है। 21 जून को मनाए जाने वाले %विश्व योग दिवस% के माध्यम से आज पूरी दुनिया यह मानने को मजबूर हुई है कि योग और प्राणायाम ही मानव समाज को निरोग रख सकते हैं। बचाव इलाज से बेहतर है – इस सिद्धांत को

अपनाकर यदि हम बीमार ही न पड़ें, तो दवाइयों की आवश्यकता ही नहीं होगी। श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आवास योजना, आयुष्मान योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छता अभियान, आधुनिक सड़कों, रेलवे और हवाई अड्डों का ऐतिहासिक विस्तार हुआ है। भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए मेड इन इंडिया के तहत सेमीकंडक्टर

निर्माण के 3 बड़े प्लांट शुरू हो चुके हैं और 4 अन्य पर काम जारी है, जिससे देश की करोड़ों रुपये की विदेशी मुद्रा बच रही है। उन्होंने कहा कि जीवनदायिनी बाणसागर परियोजना को पूरा होने में 35 साल लग गए। यदि यह योजना समय पर पूरी हो जाती तो विंध्य क्षेत्र की तस्वीर काफी पहले बदल चुकी होती। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित निबंध, चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताओं का उद्देश्य युवाओं और बच्चों में देश के प्रति स्पष्ट विज्ञान जगाना है। 2047 तक भारत को विश्व की सर्वोच्च ऊँचाई पर पहुँचाने और उस ऊँचाई को बनाए रखने के लिए युवाओं का संस्कारित, शिक्षित, जागरूक और राष्ट्र के प्रति समर्पित होना अत्यंत आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री ने नागरिकों से रक्तदान के प्रति जागरूक होने की अपील की। उन्होंने कहा कि हर स्वस्थ व्यक्ति को 6 महीने में रक्तदान करना

चाहिए ताकि आपात स्थिति या प्रसव के समय ब्लड बैंकों पर निर्भर न रहना पड़े और समाज स्वयं आगे बढ़कर जीवन रक्षा में अपनी भूमिका निभाए। कार्यक्रम के दौरान खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित एथलेटिक्स, फुटबॉल और कबड्डी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों और टीमों को उप मुख्यमंत्री द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि खेल गतिविधियों से शारीरिक सुदृढ़ता के साथ-साथ अनुशासन और टीम भावना का विकास होता है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री वीरेंद्र गुप्ता, संभागीय खेल अधिकारी एम.के. धौलपुरी, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, जिला प्रशासन व पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान में 345 आंगनवाड़ी केन्द्रों पर ‘आंगन मिलन सेवा’ का शुभारंभ

मऊगंज। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में समस्त 1037 आंगनवाड़ी केन्द्रों में 26 सितम्बर से 5 अक्टूबर तक ‘आंगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य आंगनवाड़ी केन्द्रों को केवल शासकीय सेवाओं के वितरण स्थल तक सीमित न रखते हुए सेवा, पोषण, सीखने, सहभागिता और सम्मान के जीवंत केन्द्र के रूप में विकसित करना है। अभियान की थीम ‘सेवा, पोषण और सम्मान का राष्ट्रीय संकल्प’ रखी गई है। इसके माध्यम से स्थानीय स्तर पर जनभागीदारी को

बढ़ावा देते हुए महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी सेवाओं को विकसित भारत के राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान के प्रथम चरण में जिले के 345 चयनित आंगनवाड़ी केन्द्रों पर तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं। कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों, माताओं, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा अन्य हितग्राहियों के साथ संवाद स्थापित कर पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, बाल देखभाल एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं परिसरों की स्वच्छता तथा साज-

सज्जा, बच्चों के लिए आनंदमयी एवं सीखने से जुड़ी गतिविधियाँ, स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जागरूकता गतिविधियाँ तथा हितग्राहियों से संवाद आयोजित किए जाएंगे। साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं आशा कार्यकर्ताओं के योगदान को सम्मानित करने की गतिविधियाँ भी होंगी। अभियान के दौरान ‘मेरी कहानी, मेरी सफलता’ के माध्यम से विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित महिलाओं एवं परिवारों के अनुभव भी साझा किए जाएंगे, ताकि योजनाओं के सकारात्मक प्रभाव की जानकारी आमजन तक पहुँच सके।

मछली एवं झींगा पालन से बदली पंचवती साकेत की जिंदगी, शासकीय योजना से मिला आत्मनिर्भरता का संबल

मऊगंज। जिले के हनुमना विकासखंड अंतर्गत ग्राम बिझौली की निवासी श्रीमती पंचवती साकेत के पति स्व. रामसजीवन साकेत लगभग तीन वर्ष पूर्व एक सड़क दुर्घटना में उनका अकाल निधन हो गया, जिससे परिवार पर अचानक गंभीर आर्थिक संकट आ पड़ा। अपने जीवन को नई दिशा देने और परिवार को संकट से उबारने के उद्देश्य से उन्होंने सहायक संचालक मत्स्योद्योग कार्यालय से संपर्क किया। विभाग के उचित मार्गदर्शन में उन्हें ग्राम पंचायत बगैहा निवासी बिरहा समयलाल तालाब 10 वर्षीय लीज पर आवंटित किया गया। तालाब मिलने के बाद उन्होंने पारंपरिक मछली पालन के साथ-साथ उन्नत तकनीक से झींगा पालन

का कार्य भी प्रारंभ किया। इस व्यवसाय को अधिक उन्नत और व्यवस्थित बनाने के लिए उन्हें मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजन के तहत झींगा पालन हेतु 1.60 लाख का शासकीय अनुदान (वित्तीय सहायता) प्रदान किया गया। आज सही तकनीक, उचित प्रबंधन और अपनी अनवरत कड़ी मेहनत के बल पर आज वे मछली पालन के साथ-साथ बड़े पैमाने पर झींगा पालन कर रही हैं। वर्तमान में वे इस व्यवसाय से प्रति सीजन 1.50 लाख से ₹2.50 लाख तक की शुद्ध आय अर्जित कर रही हैं। इस सफलता से न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि वे अपने परिवार के साथ एक खुशहाल और स्वावलंबी जीवन व्यतीत कर रही हैं।

सपनों को मिला संबल, हुनर बना रोजगार का आधार

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना से जिले में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के साथ रोजगार के नए अवसर भी सुजित हो रहे हैं। नईगढ़ी के ग्राम रामपुर निवासी श्रीमती विभा द्विवेदी ने योजना से मिले वित्तीय सहयोग और बैंक ऋण के सहारे उन्होंने रमाशिव इंडस्ट्री में पेवर ब्लॉक निर्माण इकाई स्थापित की है और आज न केवल स्वयं अपने पैरों पर खड़ी हैं, बल्कि अपने उद्योग के माध्यम से नौ लोगों को रोजगार भी उपलब्ध करा रही हैं। श्रीमती द्विवेदी को बैंक से 21 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम ने बदली राह, पेवर ब्लॉक उद्योग से आत्मनिर्भर बनीं विभा द्विवेदी

तथा 6.70 लाख रुपये की सन्धिडी उनके खाते में प्राप्त हुई। शासकीय योजना एवं बैंकिंग सहयोग से शुरू की गई इस इकाई के माध्यम से वर्तमान में नौ लोगों को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पीएमईजीपी योजना के माध्यम से उन्हें अपना उद्योग स्थापित कर आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। उन्होंने बताया

कि उद्योग के संचालन से उन्हें स्वयं रोजगार मिला है, साथ ही अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराने का अवसर प्राप्त हुआ है। आज रमाशिव इंडस्ट्री केवल विभा द्विवेदी के सपने का परिणाम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता के साथ रोजगार सृजन की एक प्रेरक मिसाल बन रही है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना से मिले सहयोग ने एक महिला उद्यमी को अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर दिया और उनका माध्यम से नौ लोगों के लिए रोजगार का द्वार खुला। इस योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति हृदय से धन्यवाद करते हैं।

विश्व पर्यटन दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन, भव्यता के साथ मनाया गया पर्यटन दिवस

रीवा। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर ऐतिहासिक वेंकट भवन पुरातत्व संग्रहालय में विंध्य की पर्यटन संपदा, इतिहास, संस्कृति एवं पर्यटन संभावनाओं पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में विंध्य क्षेत्र की प्राकृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासत के संरक्षण, प्रचार-प्रसार तथा पर्यटन को बढ़ावा देने के विषय पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए नगर निगम उपायुक्त श्री प्रकाश द्विवेदी ने कहा कि प्रकृति के निर्माण से

लाजवाब है विंध्य की पर्यटन संपदा : ननि उपायुक्त

लेकर हर सदी के कालखंड तक विंध्य क्षेत्र की प्राकृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पुरातन सभ्यता, संस्कृति और पर्यटन संपदा अद्भुत व लाजवाब है। इसे देखने, समझने तथा इसका विश्वव्यापी प्रचार-प्रसार करने का आवश्यकता है। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. मुकेश यंगल, प्रो. महेश श्रीवास्तव, श्री दीपक सिंह तोमर एवं अपूर्वा चतुर्वेदी ने विशेष रूप से संबोधित किया। आयोजन में आराध्या

द्विवेदी, नैसी विश्वकर्मा सहित दर्जनभर स्कूली बच्चों ने अपने अनुभव साझा किए। पर्यावरण एवं पुरातत्व विशेषज्ञ डॉ. मुकेश यंगल ने कहा कि विंध्य को जहाँ प्रकृति ने आठ जलप्रपातों की श्रृंखला से नवाजा है, वहीं बौद्ध स्तूप, प्राचीन मूर्तिशिल्प और सफेद बाघ ने इस क्षेत्र को समृद्ध बनाया है। प्रो. महेश श्रीवास्तव ने रीवा को जलप्रपातों की नगरी निरूपित करते हुए नगर निगम को सुझाव दिया कि इस क्षेत्र के पर्यटन

स्थलों के लिए टूर बस संचालित होनी चाहिए। अग्निशमन एवं स्वास्थ्य अधिकारी दीपक सिंह तोमर ने बच्चों के साथ आग से बचाव को लेकर संवाद किया। स्वच्छता की सहायक नोडल अधिकारी अपूर्वा चतुर्वेदी ने कविता के माध्यम से अपनी बात सफेद बाघ ने इस क्षेत्र को समृद्ध बनाया है। प्रो. महेश श्रीवास्तव ने रीवा को जलप्रपातों की नगरी निरूपित करते हुए नगर निगम को सुझाव दिया कि इस क्षेत्र के पर्यटन

रामनरेश तिवारी, प्रो. महेश चंद्र श्रीवास्तव, कार्यक्रम संयोजक एवं ब्रांड एम्बेसडर डॉ. मुकेश यंगल, स्वास्थ्य अधिकारी श्री दीपक सिंह तोमर, केंद्र सरकार के पुरातत्व अधिकारी श्री मुकेश मंडल, सहायक ग्रंथी रमेश सिंह, सहायक नोडल अधिकारी एसबीएम अपूर्वा चतुर्वेदी, सिटी मिशन मैनेजर अभिमन्यु सिंह, रिपेक्ट संस्था के दीपक शर्मा, जयदीप सिंह, टीवी चीनल से अंजुम बेनज़ीर, पत्रकार प्रमोद मिश्रा, नगर

निगम आईसी टीम के विवेक परमार, अवनीश, रूबी खान, आपदा प्रबंधन टीम से रूबी द्विवेदी, नैसी विश्वकर्मा, लकी, निकिता साकेत, शिवानी तिवारी, साधना तिवारी, आँखल सिंह तिवारी, वेंकट भवन पुरातत्व संग्रहालय से नितिन सिंह, जयराम पाण्डेय, देवनाथ, मुनी पाण्डेय, गंगीबाई साकेत, प्रवीण आशा सिंह, अग्रश्रेष्ठ वेल्फेयर सोसायटी के सदस्य, रिपेक्ट संस्था के सदस्य, नगर निगम के सदस्य, राज्य आनंद संस्थान की रीवा इकाई के सदस्य सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन करने के लिये किसानों की सुविधा हेतु किसान पंजीयन की प्रक्रिया प्रारंभ

मऊगंज। प्रभारी जिला कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर किसानों से धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन करने के लिये किसानों की सुविधा हेतु किसान पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। जिले के किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि में अपना पंजीयन करारकर समर्थन मूल्य पर उपार्जन योजना का लाभ उठाएं। जिले में अब तक धान के लिए 210 किसानों ने अपना पंजीयन करा लिया है। पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर तक निर्धारित की गई है।

किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि में अपना पंजीयन करारकर समर्थन मूल्य पर उपार्जन योजना का लाभ उठाएं। जिले में अब तक धान के लिए 210 किसानों ने अपना पंजीयन करा लिया है। पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर तक निर्धारित की गई है।

विकासखण्डों में दिव्यांग विद्यार्थियों की मेडिकल जाँच के लिए लगेंगे शिविर

रीवा। दिव्यांग विद्यार्थियों की मेडिकल जाँच तथा उन्हें सहायता के लिए उपकरणों के चिन्होहन के शिविर लगाए जा रहे हैं। इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि शिक्षा विभाग, सामाजिक न्याय विभाग तथा भारत सरकार की भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एलिमको द्वारा इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। विकासखण्ड मुख्यालयों में शिविर लगाकर दिव्यांग विद्यार्थियों की विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा जाँच की जाएगी। विकासखण्ड सिरमौर में 28 सितम्बर को सांदीपनि विद्यालय में तथा जवा में 29 सितम्बर को जनता विद्यालय में शिविर लगेगा। रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड में जनपद शिक्षा केन्द्र में 1 अक्टूबर

को तथा गंगेव में उत्कृष्ट विद्यालय में 3 अक्टूबर को शिविर लगेगा। विकासखण्ड त्योंथर में शासकीय हाईस्कूल सोहागो में 6 अक्टूबर को एवं विकासखण्ड रीवा में शासकीय मार्तण्ड उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक एक में 7 अक्टूबर को शिविर लगेगा। कलेक्टर ने बताया कि इन शिविरों में 8 से 14 वर्ष की आयु के दिव्यांग विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जाँच करके उनका यूडीआईडी कार्ड बनाया जाएगा। इसके लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत आवश्यक प्रबंध करें। विद्यार्थियों की जाँच के लिए 4 विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन द्वारा की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री ने रीवा में मुख्यमंत्री सुगम बस सेवा का किया शुभारंभ

आम जनता को सुगम बस सेवा से मिलेगा अच्छी सड़कों में अच्छे सफर का आनंद : उप मुख्यमंत्री

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मुख्यमंत्री सुगम बस सेवा की बसों को हरी झंडी दिखाकर रीवा में बस सेवा का शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और यात्रियों ने ई-बस से समान बस स्टैंड से ट्रांसपोर्ट नगर तक यात्रा भी की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा की अच्छी सड़कों में अब आम जनता को आरामदायक बसों से आवागमन की सुविधा मिलेगी। यह रीवा के लिए बड़ी उपलब्धि है। रीवा प्रदेश का एकमात्र शहर है जहां से 6 बिजली से चलने वाली प्रदूषण मुक्त बसों का संचालन किया जा रहा है। निजी भागीदारी के माध्यम

से रीवा से सीधी, जबलपुर और सतना के लिए दो-दो बसें चलाई जा रही हैं। इसके साथ-साथ पुष्पेन्द्र द्विवेदी द्वारा मुख्यमंत्री सुगम बस सेवा के तहत 8 बसें भोपाल और इंदौर के लिए चलाई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विशेष प्रयासों से प्रदेश में 350 बसों के साथ मुख्यमंत्री सुगम बस सेवा शुरू की गई है। इन आधुनिक बसों में आम जनता को आरामदायक सफर का आनंद मिलेगा। प्रधानमंत्री जी की अमृत योजना के तहत रीवा को पेयजल की सुविधा के बाद सुगम सेवा की सुविधा मिली है। रीवा में तेजी से विकास हो रहा है। रीवा शहर के आगामी

30 वर्षों की मांग को ध्यान में रखते हुए अधोसंरचना विकास के प्रयास किया जा रहे हैं। रीवा में रेलवे, फोरलेन और बाईपास सड़कों के साथ एयरपोर्ट की सुविधा मिल गई है। कैसर हॉस्पिटल का निर्माण लगभग पूरा हो गया है, जिसमें आधुनिक मशीन लगाई जाएगी।

गोंधी मेमोरियल हॉस्पिटल में 750 बेड का मॉडर्नाइज और चाइल्ड वार्ड का निर्माण किया जा रहा है। समारोह में उपमुख्यमंत्री ने आम जनता से रक्तदान की अपील करते हुए कहा कि गंभीर रोगियों के प्राण बचाने के लिए 65 साल तक की आयु का हर व्यक्ति साल

के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल का हम सब आधार व्यक्त करते हैं। समारोह में नगर निगम आयुक्त अश्वत जैन ने कहा कि प्रदेश में 21 वर्षों के बाद पुनः रीवा शहर बसों की सेवा शुरू हुई है। रीवा शहर छह ईवी बसें संचालित करने वाला प्रदेश का एकमात्र शहर है। शासन द्वारा वर्ष 2031 तक लगभग 15000 बसें संचालित करके प्रदेश के 75 प्रतिशत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी बसों से आवागमन की सुविधा उपलब्ध करा दी जाएगी। रीवा से एरो इंगल कंपनी द्वारा मुख्यमंत्री सुगम बस सेवा की बसों का संचालन किया जा रहा है।